www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MUMBAI TARANG ™

आप जो करते हैं उसका असर पूरी दुनिया पर होता है और जो पूरी दुनिया करती है उसका असर आप पर होता है

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-33 ❖ मुंबई ❖ रविवार 08 से 14 अगस्त 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
गवर्नर ने ठाकरे सरकार के आरोपों को कहा बेबुनियाद, रद्द नहीं होगा मराठवाड़ा दौरा

पेज 5
21 लाख करदाताओं को फायदा, चालू वित्त वर्ष में दो अगस्त तक जारी किया गया 45896 करोड़ का रिफंड

पेज 7
लौटकर आयुष्मान उत्तर प्रदेश आए, प्रयागराज में शुरू होने जा रही इस नई फिल्म की शूटिंग

पेज 8
देशमुख मामले में राज्य सरकार को हाई कोर्ट की चेतावनी

जल्द लोकल ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे सभी लोग

संक्रमण संबंधी पाबंदियों में ढील देने की योजना बना रही सरकार-उद्धव ठाकरे

- हमें लोगों के स्वास्थ्य की चिंता
- कोरोना के मामले जैसे-जैसे कम होंगे प्रतिबंधों में ढिलाई बढ़ेगी

महाराष्ट्र सरकार आने वाले दिनों में कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी पाबंदियों में और ढील देने की योजना बना रही है और वह लोकल ट्रेन में यात्रा करने के बारे में भी कोई निर्णय ले सकती है। वर्तमान समय में सिर्फ अतिआवश्यक सेवाओं से जुड़े लोग ही लोकल ट्रेन में यात्रा कर सकते हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने 'बृहनमुंबई इलेक्ट्रिक आपूर्ति एवं परिवहन' (बेस्ट) के एक कार्यक्रम में कहा कि होटल और रेस्तरां के प्रतिनिधियों ने उनसे मुलाकात की है और शाम चार बजे के बाद भी पाबंदी में ढील देने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिनिधियों को बताया गया है कि कदम दर कदम पाबंदियों में ढील दी जाएगी। हमें यह सुनिश्चित करने होगा की ढील से न बढ़े संक्रमण ठाकरे ने कहा, '' महाराष्ट्र सरकार और ढील देने जा रही है,लेकिन हम हर कदम सावधानीपूर्वक उठा रहे हैं। लोकल ट्रेन में यात्रा करने वालों के संबंध में भी कोई निर्णय लिया जाएगा। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत हैं कि इन कदमों से संक्रमण की अन्य लहर नहीं पैदा हो।'' महाराष्ट्र के 25 जिलों में दी गई है ढील गौरतलब है कि राज्य सरकार ने हाल में 25 जिलों में पाबंदियों में ढील दी,जहां संक्रमण दर कम थी। इनमें सभी दुकानों को रात आठ बजे तक खोलने की मंजूरी दी गई। सरकार ने 17 अगस्त से शहरी और ग्रामीण इलाकों में खास कक्षाओं के लिए स्कूल खोलने की भी मंजूरी दी। वर्तमान में मुंबई उपनगरीय ट्रेनों में आम आदमी को यात्रा करने की मंजूरी नहीं है,सिर्फ आवश्यक सेवा के लोगों को ही इसमें यात्रा की मंजूरी है। लोगों की मांग है कि पूर्ण टीकाकरण करा चुके लोगों को लोकल ट्रेनों में यात्रा करने की मंजूरी दी जानी चाहिए।

आगे बढ़ो कहनेवाला प्रधानमंत्री चाहिए

बेस्ट कंडक्टर के काम की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि बेस्ट का कंडक्टर निरंतर सभी को आगे बढ़ो, आगे बढ़ो, ऐसा आह्वान करता रहता है। देश का प्रधानमंत्री भी इसी तरह 'आगे बढ़ो' कहनेवाला होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना की पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर में हमें बहुत नुकसान हुआ है।

गैस रिसाव में डटे रहे अस्पतालकर्मी!

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बड़ा हादसा होने से टल गया और स्थानीय महानगरपालिका की सूझबूझ के कारण कोई हानि नहीं हुई। सभी मुंबईकर महानगरपालिका की कार्यशैली की प्रशंसा कर रहे हैं। दरअसल, कल मुंबई के बहुचर्चित अस्पताल कस्तूरबा अस्पताल में एक बड़ा हादसा हुआ। एलपीजी गैस की पाइप से गैस लीक हो गई और यह बड़े हादसे को अंजाम दे सकती थी। लेकिन पहले से किए गए इंतजामों के कारण बड़े हादसे को आसानी से टाल दिया गया।

हालांकि, हादसे के वक्त एलपीजी गैस लीक को लेकर मची अफरा-तफरी के बीच अस्पताल के सभी मरीजों को सुरक्षित कर लिया गया था। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की ३ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और स्थिति को संभाल लिया। अस्पताल प्रबंधन ने भी स्थिति को अपने ढंग से संभाल लिया था। इस घटना से एक भी मरीज प्रभावित नहीं हुआ। जहां गैस लीकेज हुई थी, उसके पास से वॉर्ड के सभी ५८ मरीजों को सुरक्षित दूसरे वॉर्ड में शिफ्ट कर दिया गया। कहीं कोई भी परेशानी नहीं आई।

फीस ना देने पर प्राइवेट स्कूलों ने बच्चों को ऑनलाइन क्लास करने से रोका, अब नाम कटाकर सरकारी विद्यालय में हुआ ऐडमिशन

मुंबई, कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित हुए मुंबई शहर में प्राइवेट स्कूलों से परेशान पैरेंट्स ने अब अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजना शुरू कर दिया है। कोरोना के कारण बीते डेढ़ साल में मुंबई के तमाम लोगों को नौकरी जाने के कारण फिनांशल क्राइसिस का सामना करना पड़ा। इस संकट के बीच फीस जमा ना होने पर प्राइवेट स्कूलों ने बच्चों को ऑनलाइन क्लास का एक्सेस देना बंद किया तो पैरेंट्स उन्हें लेकर बीएमसी की ओर से शुरू किए गए नए स्कूलों में लेकर चले गए। इस साल कोरोना के संकट काल में मुंबई के सुधीर अहिरे को भी नौकरी छोड़नी पड़ी। पैसों के संकट के कारण सुधीर अपने बच्चे की फीस नहीं दे पा रहे थे, जिसके कारण स्कूल ने उसे ऑनलाइन क्लास करने से मना कर दिया। इस संकट के बीच सुधीर ने बच्चे का ऐडमिशन उस सरकारी स्कूल में करा दिया, जहां पढ़ाई फ्री थी। सुधीर को शुरुआत में ये फैसला मुश्किल भी लगा, लेकिन अब वो इसे सही ही मानते हैं। बीएमसी ने भी पैरेंट्स की इस जरूरत को समझते हुए इस साल 10 नए सीबीएसई स्कूलों की शुरुआत की है। इसके अलावा एक आईसीएसई बोर्ड स्कूल को भी शुरू किया गया है। इन सभी स्कूलों में ऐसे विद्यार्थियों के ऐप्लिकेशंस की बड़ी संख्या है, जिनके माता-पिता को कोरोना काल में अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है। इन स्कूलों में फिलहाल नर्सरी से 6वीं कक्षा तक हर क्लास में 40 बच्चों के ऐडमिशन हो सकते हैं। सुधीर कहते हैं कि स्कूल के लोग हर महीने उनसे बच्चे की फीस के नाम पर 3100 रुपये लेते थे। कोरोना के वक्त उन्हें सिर्फ एक मेसेज भेजकर नौकरी से निकाल दिया गया, तो फिनांशल क्राइसिस के बीच उन्होंने फीस जमा करने के लिए स्कूल से थोड़ा वक्त मांगा। स्कूल इसके लिए राजी नहीं हुआ और उनके बेटे को क्लास नहीं करने दी गई। इसके बाद सुधीर ने बच्चे का ऐडमिशन बीएमसी के स्कूल में करा दिया। सुधीर के बेटे के ऐडमिशन के बाद उसके एक दर्जन से अधिक दोस्तों ने भी इसी स्कूल में दाखिला ले लिया।

जम्मू-कश्मीर-जमात-ए-इस्लामी पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने टेरर फंडिंग मामले में रविवार सुबह श्रीनगर, गांदरबल, अचबल, शोपियां, बांदीपोरा, रामबन, डोडा, किश्तवाड़, राजोरी समेत जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर छापे मारे। एक अधिकारी ने बताया कि एनआईए ने पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर जमात-ए-इस्लामी के सदस्यों के आवासों पर छापेमारी की। जमात-ए-इस्लामी को 2019 में केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया था। एनआईए ने संगठन के खिलाफ नया मामला दर्ज किया है।बांदीपोरा में पूर्व जमात अध्यक्ष के आवास, अनंतनाग जिले में मुश्ताक अहमद वानी पुत्र गुलाम हसन वानी, नजीर अहमद रैना पुत्र गुलाम रसूल रैना, फारूक अहमद खान पुत्र मोहम्मद याकूब खान और आफताक अहमद मीर, अहमदुल्ला पारे के ठिकानों पर भी छापेमारी हुई है। उधर, बडगाम जिले में डॉ. मोहम्मद सुल्तान भट, गुलाम मोहम्मद वानी और गुलजार अहमद शाह समेत कई जमात नेताओं के आवासों पर छापेमारी हुई। श्रीनगर में सौरा निवासी गाजी मोइन-उल इस्लाम के आवास और नौगाम में फलाह-ए-आम ट्रस्ट पर छापेमारी की जा रही है।

ओलंपियन को धमकीः पड़ोसियों ने घर बनाने से रोका, प्रवीण जाधव के पिता बोले- छोड़ देंगे गांव

टोक्यो ओलंपिक मे भारतीय दल का हिस्सा रहे तीरंदाज प्रवीण जाधव के परिवार को धमकी मिली है। उनके माता-पिता गांव में घर बनाना चाहते हैं। लेकिन उनके आसपास के पड़ोसी उन्हें धमका रहे हैं और घर का कंस्ट्रक्शन करने से रोक रहे हैं। उधर इस मामले को लेकर प्रवीण जाधव के माता-पिता ने कहा है कि अगर उन्हें कंस्ट्रक्शन करने की इजाजत नहीं मिलती है तो वह गांव छोड़ देंगे। प्रवीण जाधव के माता-पिता पिता महाराष्ट्र के सतारा जिले के सराडें गांव में रहते हैं। जहां उनका दो कमरों का एक छोटा सा मकान है। उनके माता पिता इस घर में कंस्ट्रक्शन करवाना चाहते हैं। प्रवीण के माता-पिता का कहना है कि जमीन और घर उनका है। इसके बावजूद पड़ोसी उन्हें घर बनाने से रोक रहे हैं। प्रवीण के पिता रमेश जाधव का कहना है कि अगर यह विवाद नहीं सुलझा तो हम गांव छोड़ देंगे। पड़ोस वाले क्यों दे रहे धमकीटोक्यो ओलंपिक्स से हाल ही में लौटे प्रवीण जाधव ने एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा था कि मेरे माता-पिता सेती महामंडल में मजदूर थे, उसी महामंडल ने यह जमीन हमें दी थी, जब हमारी आर्थिक स्थिति सुधरी तो हमनें मकान बनाना शुरू किया। न्यूज एजेंसी के साथ बातचीत के दौरान प्रवीण ने यह भी कहा था कि इस जमीन पर पट्टा नहीं दिया गया था सिर्फ मौखिक समझौता हुआ था। प्रवीण आगे कहते हैं कि उनकी सेना में नौकरी लगने के बाद जब आर्थिक हालात सुधरी तब उन्होंने गांव में दो कमरों का घर बनवाया। तब किसी पड़ोसी ने उन्हें मकान बनाने से नहीं रोका, लेकिन जब उन्होंने बड़ा घर बनाने का फैसला लिया तो पड़ोसियों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि पूरी जमीन उनकी है। प्रवीण ने यह भी बताया कि पड़ोसियों की आपत्ति के बाद वह जमीन का कुछ हिस्सा छोड़ने को तैयार थे।

दिल्ली में हाई अलर्टः आईजीआई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, अलकायदा ने पुलिस को भेजा ईमेल

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अलकायदा ने बम से उड़ाने की धमकी दी है। दिल्ली पुलिस को शनिवार शाम को अलकायदा के नाम से ईमेल आया था, इसमें अगले कुछ दिनों में आईजीआई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, धमकी मिलते ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, शनिवार शाम को आए मेल में मिला था, इसमें कहा गया है कि करणबीर सूरी उर्फ मोहम्मद जलाल और उसकी पत्नी शैली शारा उर्फ हसीना रविवार को सिंगापुर से भारत आ रहे हैं। वो एयरपोर्ट पर अगले एक से तीन दिन में बम रखने की साजिश रच रहे हैं। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं, और सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।जांच करने पर डीआईजी ने बताया कि पहले भी समान नामों और समान विवरणों के साथ धमकी संदेश मिला था। उनके मुताबिक, पहले करणबीर और शैली को आईएसआईएस का सरगना बताया था, उसमें भी यही लिखा था कि दोनों आ रहे हैं और एक से तीन दिन में एयरपोर्ट पर बम धमाके करने की साजिश रचेंगे। इससे पहले 18 अप्रैल को दिल्ली एयरपोर्ट पर एक विमान को बम से उड़ाने की धमकी से सनसनी फैल गई थी। बंगलूरु से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में एक यात्री को वाशरूम में एक पर्ची मिली थी, जिसमें विमान में बम होने और उसके दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही उड़ाने की बात लिखी हुई थी। विमान के दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही बम निरोधक दस्ते ने उसकी पूरी तलाशी ली। लेकिन विमान में कोई विस्फोटक नहीं मिला था। एयरपोर्ट पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया था कि विमान को बम से उड़ाने की धमकी भरा पत्र मिलने की जानकारी पुलिस को दी गई थी। किसी यात्री ने विमान के वाशरूम में एक टिश्यू पेपर का टुकड़ा पड़ा हुआ देखा था। जिसमें लिखा हुआ था कि बंगलूरू से दिल्ली आने वाली एयर एशिया की फ्लाइट में बम है। विमान के दिल्ली पहुंचते ही उसमें धमाका कर दिया जाएगा।

ब्रज में भाजपा का चुनावी चिंतन

आगरा पहुंचे जेपी नड्डा और सीएम योगी, पदाधिकारियों से कर रहे संवाद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगआदित्यनाथ आगरा पहुंच गए हैं। यहां वह फतेहाबाद रोड स्थित होटल ताज विलास भाजपा ब्रज क्षेत्र की बैठक ले रहे हैं। इसमें 19 जिलों के पदाधिकारी शामिल हुए हैं। जेपी नड्डा से पदाधिकारियों से संवाद कर रहे हैं। इसके बाद ब्रज क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का रिपोर्ट कार्ड देखेंगे। जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी लखनऊ से सुबह करीब 11 बजे आगरा के खेरिया हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां से गाड़ी से होटल ताज विलास रवाना हुए। रास्ते में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने नड्डा और योगी का खेरिया मोड़ चौराहे पर स्वागत किया। इस दौरान ढोल नगाड़े बजाए गए। साथ ही उनके काफिले पर फूलों की वर्षा की गई। होटल ताज विलास में हो रही ब्रज क्षेत्र की बैठक का शुभारंभ जेपी नड्डा और सीएम योगी ने भारत माता की तस्वीर के समक्ष दीप जलाकर किया। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष रजनीश माहेश्वरी, सांसद व किसान मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर व ब्रज क्षेत्र से 38 से अधिक पदाधिकारी व आगरा, मथुरा समेत कई जिलों के भाजपा अध्यक्ष बैठक में शामिल हुए हैं। ये हैं कार्यक्रमजेपी नड्डा और सीएम योगी आदित्यनाथ सबसे पहले होटल ताज विलास में ब्रज क्षेत्र समिति के सदस्य, जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों के साथ बैठक कर रहे हैं।

अवैध की जमीन

बड़े शहरों और महानगरों में सरकारी भूमि, वन क्षेत्र, पार्कों वगैरह के लिए निर्धारित भूखंडों पर अवैध रूप से कब्जा कर भवन खड़े कर लेना पुरानी समस्या है। इस तरह के कब्जों को हटाने के लिए सरकारों को खासी मशक्कत करनी पड़ती है। बार-बार अदालतों को हस्तक्षेप करना पड़ता है। ऐसे में गुरुग्राम और फरीदाबाद के आसपास फैले विशाल वनक्षेत्र में अवैध रूप से किए गए निर्माण हटाने का सर्वोच्च न्यायालय का आदेश एक सबक हो सकता है। अरावली पहाड़ियों पर फैले इस वन क्षेत्र में हजारों घर बना लिए गए थे। स्वाभाविक ही इससे उस वन क्षेत्र का अस्तित्व संकट में पड़ गया। अदालत ने फरीदाबाद नगर निगम को वे कब्जे हटाने का आदेश दिया था। बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण गिराए भी गए। मगर कुछ स्वयंसेवी संगठन मांग कर रहे थे कि उजाड़े जा रहे लोगों का पुनर्वास किया जाए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने इस मांग को सिरे से ठुकरा दिया। अदालत ने पाया है कि उस इलाके में ज्यादातर लोग किराए

पर रह रहे थे और आदेश के बाद वे वह ठिकाना छोड़ कर कहीं और चले गए हैं। बहुत सारे लोगों के आश्रय का बंदोबस्त भी किया गया है।

इस तरह के अवैध कब्जों के लिए पुनर्वास की कोई व्यवस्था नहीं की जा सकती। छिपी बात नहीं है कि सरकारी जमीन पर इस तरह कब्जा दिलाने में कुछ राजनीतिक लोगों की शह होती है। कुछ भूमाफिया फर्जी तरीके से कागजात तैयार कर लोगों को जमीन बेच देते हैं। वहां बसने वालों को भरोसा दिलाया जाता है कि जहां बड़ी संख्या में लोग घर बना कर रहने लगते हैं, उन्हें सरकारें नहीं हटातीं। बरसों से ऐसा ही देखा जाता रहा है। दिल्ली के अनेक इलाकों में जहां भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग की या पार्कों के लिए चिह्नित भूमि है, उन पर कब्जा कर बस्तियां बसा ली गईं और अब वे पक्की कॉलोनियों में तब्दील हो गई हैं। दिल्ली में हर राजनीतिक दल कच्ची और अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का आश्वासन देकर अपना जनाधार मजबूत करने का प्रयास करता देखा जाता रहा है। यह भी उजागर है कि झुग्गी बस्तियों तक में कई छुटभैए राजनेता फर्जी नाम से जमीन कब्जा किए होते हैं।

अगर कभी झुग्गी बस्तियों को हटाने का अभियान चलता है, तो उसके बदले उन लोगों को भवन या भूखंड दिलाया जाता है। वैसा ही भरोसा शायद अरावली पर घर बना कर रह रहे हजारों लोगों को भी रहा होगा। उजाड़े जा रहे लोगों के पक्ष में काम कर रहे स्वयंसेवी संगठनों का दावा है कि इनमें से बहुत सारे लोगों ने पैसे देकर जमीन खरीदी थी। जिन लोगों ने उन्हें जमीन बेची, अब उनका कोई पता-ठिकाना नहीं। कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से उस इलाके में बिजली-पानी का भी बंदोबस्त हो गया था। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से भूमाफिया के मंसूबे पर तो पानी फिर गया है, पर जिन लोगों ने पैसे देकर जमीन खरीदी और घर बनवाया था, उन्हें भारी चोट पहुंची है।

बेखौफ अपराधी

किरीट ए. चावड़ा

देश की राजधानी के दिल्ली कैंट इलाके में नौ साल की एक बच्ची से बलात्कार और उसे जला देने की जैसी घटना सामने आई है, वह किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को दहला देने के लिए काफी है। इससे यही साबित होता है कि महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के तमाम दावे महज भाषणों, वक्तव्यों और कागजों तक सिमटे हुए हैं। खबरों के मुताबिक दिल्ली कैंट इलाके के पुराना नांगल गांव में परिवार के साथ रहने वाली एक दलित बच्ची पास ही स्थित श्मशान से पीने का पानी लाने गई थी, लेकिन घर नहीं लौटी। कुछ देर बाद वहां के पुजारी ने उसकी मां को बुलवा कर कहा कि करंट लगने से लड़की की मौत हो गई है। मामले को दबाने के लिए उसने यह समझाने की कोशिश की कि पुलिस में शिकायत करने पर पोस्टमार्टम होगा और लड़की के सभी अंग निकाल लिए जाएंगे, इसलिए इसका अंतिम संस्कार तुरंत कर दिया जाए। फिर बिना परिवार की सहमति लिए लड़की के शव को आनन-फानन में जलाया जाने लगा। इस पर लड़की की मां और वहां पहुंचे स्थानीय लोगों ने तीखा विरोध किया। कहने को सभी स्तरों पर पुलिस की चौकसी का दावा किया जा रहा है, मगर यह घटना बताने के लिए काफी है कि अपराधों की रोकथाम को लेकर वास्तव में कितनी सजगता है।

विडंबना यह है कि पुलिस को जहां आरोपियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए थी, वहीं मार डाली गई बच्ची के परिवार ने शिकायत की कि पुलिस ने उन पर मामले को हल्का बनाने के लिए बयान देने का दबाव बनाया, जबकि उनकी बच्ची से बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई। बाद में जब मामले ने तूल पकड़ना शुरू किया, तब पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ा। सवाल है कि घटना से पहले अपराधी के भीतर वह कौन-सी निश्चिंतता थी, जिसकी वजह से उसने ऐसे जघन्य वारदात को अंजाम दिया! फिर घटना के बाद ड्यूटी से लेकर जिम्मेदारी के स्तर पर पुलिस ने जैसा रवैया दिखाया, क्या वह पीड़ितों को इंसाफ दिलाने के लिहाज से उचित कहा जा सकता है? इस वाकये ने करीब दस महीने पहले उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई उस घटना की तस्वीर को सामने रख दिया है, जिसमें सामूहिक बलात्कार की शिकार उन्नीस साल की एक दलित लड़की की मौत के बाद पुलिस के संरक्षण में आधी रात को आनन-फानन में उसका शव जला दिया गया। तब भी ये आरोप लगे थे कि पुलिस ने खुद सबूतों को कमजोर करने या मिटाने में सक्रिय भूमिका निभाई। दरअसल, दिल्ली की घटना ने फिर यह बताया है कि समाज में दलित-वंचित जातियों या कमजोर तबकों के खिलाफ अपराधों के मामले में सत्ता और पुलिस का तंत्र जरूरी संवेदनशीलता नहीं बरत पाता है। सवाल है कि सामाजिक-आर्थिक वर्ग के लिहाज से अपराधों के मामले में पुलिस का रवैया इस कदर संवेदनहीन और अपनी जिम्मेदारियों के विरुद्ध कैसे और क्यों हो जाता है! क्या यही पुलिस सक्षम तबकों के साथ होने वाली किसी भी आपराधिक घटना के वक्त ऐसा रुख अख्तियार कर पाती है?

युवाओं को नए विमर्श में लाने की जरूरत

जिगर डी वाढेर

यह कैसी शिक्षा है, जो केवल पैसा कमाना सिखाती है। जो शिक्षा मां-बाप को बच्चों से दूर कर देती है। देश, समाज के मुद्दों पर चर्चा करने से अधिकांश छात्र बचते या एक जैसा मत रखते हैं। कई बार तो लगता है कि वे क्षमतावान नहीं हैं या पैसे और केवल पैसे का लक्ष्य उनकी प्रतिभा और क्षमता को चुकता कर रहा है। पिछले चार वर्षों में देश के कई विश्वविद्यालयों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, भारतीय प्रबंधन संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों से संवाद हुआ है। कुछ छात्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय प्रबंधन संस्थानों में प्रवेश के लिए आठवीं कक्षा के बाद ही कोटा जैसे शहरों से कोचिंग लेकर आए थे। वे शरीर से बहुत स्वस्थ और ऊर्जावान बेशक नहीं थे, पर उनमें धन कमाने की ललक अकूत थी। ऐसे कुछ दृश्य- शाम के सवा आठ बजे हैं। देश के एक नामी प्रौद्योगिकी संस्थान का वार्षिकोत्सव है। काफी सारे छात्र-छात्राएं खड़े हैं और गा रहे हैं- मुझे दौलत दो, मुझे दौलत दो, . तो मैं चाहता हूं, यही तो मैं चाहता हूं। इस कार्यक्रम में हिंदुस्तानी गायन परंपरा के गायकों के साथ पाश्चात्य शैली के गायक भी बुलाए गए हैं। भयंकर शोर है। बातचीत में एक छात्र कहता है, 'इंजीनियर या मैनेजर बनने का सपना नहीं है, सपना तो पैसा कमाने का, केवल पैसा कमाने और विदेश जाने का है।' उसके साथ खड़ा छात्र कहता है, 'हमें आठवीं कक्षा में घर वालों ने कोटा भेजा था, मोटा पैसा खर्च करके कोचिंग लेने के बाद यहां दाखिला मिला है। विदेश तो जाना ही है। और वहां केवल पैसा कमाने के लिए जाएंगे।' भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव, अच्छी छवि के एक नौकरशाह ने बताया कि उन्होंने दोनों बेटियों को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाया। इच्छा थी कि कम से कम एक आइएएस जरूर बने, लेकिन दोनों ने मना कर दिया। समझाने और जोर से बोलने पर बागी हो गईं। बड़ी अमेरिका चली गई और दूसरी एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में प्रबंधक बन गई। वह भी इंग्लैंड जाने की तैयारी में है। दिल्ली के एक नामी अस्पताल में कार्यरत एक स्नायु चिकित्सक के पिता परेशान हैं कि उन्होंने अपने बेटे को इंजीनियर और डॉक्टर बना दिया। इंजीनियर पहले विदेश चला गया और अब डॉक्टर जाने की तैयारी में है। पिता कहते हैं, 'अब हम गांव चले जाएंगे, हालांकि वहां के अलग खतरे हैं, ग्रामीण अब कितना स्वीकार करेंगे। डॉक्टर बेटा इसलिए किसी पश्चिमी देश में जाना चाहता है कि यहां उसकी बेटी के लिए अच्छा स्कूल नहीं है। यह अलग बात है कि धन कमाने के चक्कर में डॉक्टर दंपत्ति के पास बेटी के साथ बिताने के लिए समय नहीं है। उसके खेलने के लिए दो सुंदर कुत्ते ला दिए हैं।' यह कैसी शिक्षा है, जो केवल पैसा कमाना सिखाती है। जो शिक्षा मां-बाप को बच्चों से दूर कर देती है। देश, समाज के मुद्दों पर चर्चा करने से अधिकांश छात्र बचते या एक जैसा मत रखते हैं। हाल में केंद्रीय मंत्रिमंडल में हुए बदलाव पर एक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के एक दर्जन से अधिक छात्रों की एक ही टिप्पणी थी, हमें इस सबसे क्या लेना-देना। यहां तक कि कोरोना से खराब हुई देश की आर्थिक स्थिति पर भी वे उदासीन हैं। कई बार तो लगता है कि वे क्षमतावान नहीं हैं या पैसे और केवल पैसे का लक्ष्य उनकी प्रतिभा और क्षमता को चुकता कर रहा है। इन संस्थानों में दर्शन, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान जैसे विषयों के विभागों की हालत खराब है। राष्ट्र के सामान्य नागरिकों द्वारा दिए गए कर से सरकार उन पर विशेष व्यय कर रही है। ऐसे में देश के सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को समझना और उनके लिए सक्रिय रहना उनका महत्त्वपूर्ण कर्तव्य है। पैसा कमाना, कारखाने लगाना और भौतिक संसार के सुख भोगना ही उनके लिए सब कुछ नहीं है। इन संस्थानों के अधिकतर छात्र अपने हितों के लिए आंदोलन करना तो दूर, आपस में चर्चा तक से बचते हैं। जबकि राजनीतिक, सामाजिक मुद्दों पर मर्यादित होकर तर्कपूर्ण चर्चा कर राष्ट्र के प्रश्नों का समाधान ढूंढ़ना उनका सबसे पहला धर्म है। निष्क्रियता, और वह भी युवास्था में, बहुत बड़ी चिंता का विषय है। अक्सर छात्र-छात्राएं ऐसी तकनीक के शोध पर चर्चा करते हैं, जिसमें मानव श्रम का कम से कम उपयोग हो। प्रबंधन के छात्र यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि मानव संसाधन प्रबंधक के रूप में वे पुराने कर्मचारियों को अयोग्य ठहरा कर अपनों की कैसे भर्ती करें या कम वेतन के कर्मियों की नियुक्ति कर अपने मालिक को कैसे प्रसन्न करें। तार्किक, मानवोपयोगी, सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक-राजनीतिक बदलावों पर विमर्श देश और उसके नागरिकों को आगे ले जाने के लिए होता है। इस सबमें छात्रों की कोई रुचि नहीं है। पिछले कई वर्षों से यह देखने में आ रहा है कि कई प्रौद्योगिकी संस्थान अपनी रैंक अच्छी दिखाने के लिए अपने यहां के प्लेसमेंट सेल का अत्यधिक उपयोग करते हैं। अखबारों में भी इस तरह दर्शाया जाता है कि उनके संस्थान के छात्र को विदेश में इतने करोड़ का पैकेज मिला। इसका उद्देश्य सिर्फ यही होता है कि हमारा प्रौद्योगिकी संस्थान औरों से बेहतर है। इसके लिए निजी संस्थान काफी विज्ञापन देते हैं। जब इस प्रकार की बातों को समाचार पत्रों के माध्यम से प्रायोजित किया जाता है, तो विद्यार्थियों और उनके परिजनों में यह बात घर कर जाती है कि आइआइटी में पढ़ने का मतलब कई करोड़ का पैकेज प्राप्त करना है। फिर माता-पिता अपने बच्चों पर बचपन से ही आइआइटी जैसे संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए दबाव डालना शुरू कर देते हैं। इसका पता इससे चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में बच्चे आठवीं के बाद ही दूसरे शहरों के कोचिंग संस्थानों में पढ़ना शुरू कर देते हैं। इससे न सिर्फ बच्चों का अपने परिवार से भावात्मक संबंध कम होता है, बल्कि उनकी खानपान, रहन-सहन की आदतें भी खराब हो जाती हैं। पता चला है कि आइआइटी जैसे संस्थानों के विद्यार्थियों को अपने यहां नौकरी पर रख कर कंपनियों को बैंकों से कर्ज भी आसानी से मिल जाता है। इस प्रकार की व्यवस्था को दूर करने के लिए आवश्यक है कि आइआइटी जैसे बड़े संस्थान भी स्वरोजगार को समाज में प्रतिस्थापित करने के लिए कार्य करें और उनकी रैंकिंग का एक मुख्य बिंदु यह भी होना चाहिए कि किस आइआइटी का स्वरोजगार स्थापित करने के क्षेत्र में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कितना योगदान रहा। भारतीय संस्कृति से जोड़े रखने के लिए आइआइटी और आइआइएम जैसे संस्थानों में एक विषय होना ही चाहिए।आइआइटी और आइआइएम जैसे संस्थान विदेशी भाषाओं के पाठ्यक्रम भी अपने यहां चलाते हैं, जिससे विद्यार्थियों में विदेश जाने की भावना प्रबल होती है। विदेशी भाषाओं के साथ क्या राष्ट्र और जीवन मूल्यों को बढ़ाने वाली संस्कृत प्रमुखता से नहीं पढ़ाई जानी चाहिए?

किसान आंदोलन की दशा-दिशा

भूपेन्द्र पटेल

अन्य व्यवसाय करने वालों की तरह किसानों को भी वाजिब कीमत पर अपनी फसल बेचने की आजादी मिलनी ही चाहिए। असली समस्या तो ढाई एकड़ से कम जोत वाले पचासी फीसद किसानों की है, जिनका हर तरह से शोषण होता आया है। उनके पास अपनी फसल को मंडी तक ले जाने के साधन भी नहीं हैं और न ही उसे कुछ समय तक सुरक्षित रखने के लिए भंडार। वे गांव से लेकर मंडी तक आढ़तियों या बिचौलियों का शोषण झेलने को मजबूर हैं। आठ महीने से दिल्ली की सीमाओं पर चल रहा किसान आंदोलन अब संसद के मानसून सत्र में भी दस्तक दे रहा है। केंद्र सरकार अब भी बार-बार किसानों को बातचीत का प्रस्ताव दे रही है। मगर किसान नए कृषि कानूनों को खत्म करने की मांग से कम पर बात करने को तैयार नहीं हैं। वहीं, सरकार ने इन कानूनों को एक निश्चित समय सीमा तक टाल दिया। इनमें जरूरत के हिसाब से संशोधन करने का आश्वासन दे रही है। पर वास्तव में पूरा आंदोलन राजनीति की भेंट चढ़ गया और वे हजारों लोग, जो अपने कामकाज के लिए हर रोज दिल्ली आते-जाते हैं, इस आंदोलन से होने वाले जाम से परेशान होते हैं। सरकार आंदोलनकारियों पर किसान-विरोधी होने का तमगा मिलने के भय से कड़ाई नहीं कर रही है। कोरोना महामारी के चरम काल में भी किसानों का सांकेतिक जमावड़ा दिल्ली के सिंघू, टिकरी और गाजीपुर सीमाओं पर लगा ही रहा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भी इस किसान आंदोलन ने भूमिका अदा की। किसान नेता और विपक्षी दलों ने दावा किया कि किसान आंदोलन और उसके नेताओं के बंगाल दौरों ने भाजपा को सत्ता में आने से रोक दिया। अब पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। अधिकतर इन्हीं राज्यों के किसान आंदोलन चला रहे हैं। इसलिए लगता है कि किसी न किसी बहाने किसान आंदोलन को इन राज्यों के विधानसभा चुनाव तक चलाया ही जाएगा। यह आंदोलन जिन तीन कृषि कानूनों के विरोध में शुरू हुआ था, उनमें से एक कानून मंडियों के बाहर भी उपज बेचने की इजाजत देने का है। दूसरा कानून किसानों को सहकारी खेती की अनुमति देने वाला है और तीसरे में अनिवार्य फसलों पर से रोक हटाने का है। सरकार समझाती रही कि इन कानूनों से किसानों को लाभ होगा। उनकी जमीन कोई नहीं ले सकता और मंडियां खत्म नहीं की जा रही हैं। फसलों को खुले में बेचने की इजाजत दी जा रही है। देश में मंडी और उसमें सक्रिय आढ़तियों की व्यवस्था पंजाब और हरियाणा में सबसे मजबूत है। मगर पंजाब से कुछ किसानों ने दिल्ली की सिंघू सीमा पर आठ महीने पहले इन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया। उनके साथ हरियाणा के किसान भी जुड़े। टिकरी बार्डर पर भी आंदोलन चलने लगा। भारतीय किसान यूनियन गाजीपुर पर और उसी यूनियन का एक धड़ा चिल्ला बार्डर पर धरना देने लगा (बाद में यह धरना खत्म हो गया)। इन धरनों में चालीस से ज्यादा किसान संगठन शामिल हैं। उनमें वामपंथी दलों के कई संगठन घोषित रूप से शामिल हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो उसने 12 जनवरी को तीनों कृषि कानूनों पर अंशकालिक रोक लगा कर समाधान के लिए चार सदस्यों की समिति बना दी। उससे भी बात नहीं बनी। फिर सरकार ने कानूनों को डेढ़ साल के लिए टालने का प्रस्ताव दिया, पर किसान संगठन नहीं माने। इसी के साथ नए सिरे से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर कानून बनाने की मांग भी जोड़ दी गई। किसान संगठनों के नेता 26 जनवरी, 2021 को गणतंत्र दिवस पर दिल्ली के महात्मा गांधी मार्ग (रिंग रोड) पर ट्रैक्टर परेड करने की अनुमति मांगी। फिर परेड के नाम पर दिल्ली में खूब हुड़दंग हुआ। लाल किले पर तोड़फोड़ करके धार्मिक झंडा लगा दिया गया। बाद में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करके धार्मिक झंडे को हटाया गया और पुलिस ने उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। सभी को लगा था कि सालों बाद खेती-किसानी देश के मुख्य एजेंडे में आ गई है। पर आंदोलन के जरिए जम कर राजनीति होने लगी। देश भर में भाजपा विरोधी ताकतें आंदोलन से जुड़ गईं। अस्सी के दशक के आखिर में सक्रिय हुई चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की अगुआई वाली भारतीय किसान यूनियन तभी तक ताकतवर रही जब तक वह सक्रिय राजनीति से दूर रही। वह आंदोलन अन्य मुद्दों के अलावा किसानों के सीमित इलाके में फसल बेचने पर रोक के विरोध में था। मगर जैसे ही राजनीतिक दल किसानों का समर्थन पाने के लिए उन्हें अपने पक्ष में करने में लग गए, आंदोलन भटक गया। तब उसे भाजपा का समर्थन मान लिया गया था। उसी भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने उनके बार-बार सरकार पर हमला करने से नाराज होकर उन्हें मेरठ से लखनऊ आंदोलन करने जाते हुए 31 दिसंबर, 1991 को गिरफ्तार करा दिया। टिकैत की उम्मीद से विपरीत उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ बड़ा आंदोलन नहीं हुआ। टिकैत ने जेल से रिहा होने के बाद 1993 के विधानसभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव का समर्थन कर दिया। उसके बाद टिकैत के दिन वापस नहीं लौटे। उसके बाद उनके दोनों बेटे यूनियन को ताकतवर बनाने में लगे हुए हैं। बड़े होने के नाते नरेश टिकैत किसान यूनियन के अध्यक्ष हैं, लेकिन सारे फैसले उनके छोटे भाई राकेश टिकैत करते आए हैं। इस किसान आंदोलन से उन्हें भी ताकत मिल गई।26 जनवरी को लाल किले पर हुए उपद्रव के बाद किसान आंदोलन खत्म-सा होने लगा। स्थानीय लोग किसानों के धरने से पहले ही परेशान थे, लेकिन तब कुछ लोगों की उनके प्रति सहानुभूति भी थी। बाद में तो सभी सीमाओं से धरना हटवाने के लिए स्थानीय लोग प्रदर्शन करने लगे। कई संगठन हंगामे के बाद आंदोलन समाप्त कर वापस लौट गए। गाजीपुर सीमा पर आंदोलन की अगुवाई कर रहे राकेश टिकैत किसानों के तंबू उखड़ते देख परेशान हो गए।

सरकार ने भी सहूलियतें वापस ले ली। धरना हटाने के लिए बड़ी तादाद में सुरक्षा बल तैनात कर दिया। धारा 144 लागू कर दी गई। तब राकेश टिकैत रो पड़े थे। उन्हें रोता देख किसानों का रोष बढ़ा और आंदोलन में फिर से जान लौट आई। पर अब शायद इस आंदोलन को किसानों तक सीमित रखना इन किसान नेताओं के लिए संभव नहीं लग रहा है। अन्य व्यवसाय करने वालों की तरह किसानों को भी वाजिब कीमत पर अपनी फसल बेचने की आजादी मिलनी ही चाहिए। असली समस्या तो ढाई एकड़ से कम जोत वाले पचासी फीसद किसानों की है, जिनका हर तरह से शोषण होता आया है। उनके पास अपनी फसल को मंडी तक ले जाने के साधन भी नहीं हैं और न ही उसे कुछ समय तक सुरक्षित रखने के लिए भंडार। वे गांव से लेकर मंडी तक आढ़तियों या बिचौलियों का शोषण झेलने को मजबूर हैं।

गवर्नर ने ठाकरे सरकार के आरोपों को कहा बेबुनियाद, रद्द नहीं होगा मराठवाड़ा दौरा

मुंबई, महाराष्ट्र के राजभवन के अधिकारियों के मुताबिक महाविकास अघाड़ी सरकार और राज्यपाल के बीच में कोई विवाद नहीं है।

साथ ही राज्यपाल ने किसी भी प्रकार की रिव्यु मीटिंग को नहीं बुलाया गया है। यह सभी आरोप बेबुनियाद हैं। सूत्रों की मानें तो राज्यपाल ने किसी भी जिलाधिकारी को रिव्यू मीटिंग के नहीं कहा है। सूत्रों ने यह भी बताया कि जब भी राज्यपाल किसी जिले में जाते हैं। तब वहां का स्थानीय प्रशासन, उस जिले की जानकारी जैसे भौगोलिक स्थिति, धार्मिक स्थल सहित अन्य चीजों के बारे में राज्यपाल को बताते हैं और इसका पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन भी देते हैं। इस बात को रिव्यू मीटिंग कहना सरासर गलत है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्यपाल की तरफ से उनके किसी भी कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि अब राज्यपाल नांदेड के दो हॉस्टलों का उद्घाटन नहीं सिर्फ दौरा करेंगे।

इस बारे में भी उस यूनिवर्सिटी के प्रमुख फैसला लेंगे। राज्यपाल का तीन दिवसीय मराठवाड़ा दौरा 5 अगस्त से शुरू होने वाला है। क्या है सरकार की आपत्ति महाराष्ट्र सरकार के अल्प संख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी पर आरोप लगाया था कि राज्य में सत्ता के दो केंद्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

नांदेड़, हिंगोली और परभणी के तीन दिवसीय पर भी सरकार ने अपना विरोध दर्ज किया है। मलिक ने कहा कि सरकारी काम में राज्यपाल की ओर से बार-बार हस्तक्षेप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को यह समझना बहुत जरूरी है कि वे मुख्यमंत्री नहीं राज्यपाल हैं। दरअसल राज्यपाल अपने तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान अल्पसंख्यक विभाग द्वारा बनाए गए लड़के-लड़कियों के लिए बनाए गए दो छात्रावासों का उद्घाटन करने वाले थे। इसी बात पर संबंधित मंत्रालय और राज्य सरकार ने एतराज दर्ज कराया था।

मुंबई विश्वविद्यालय ने घटाई प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की फीस

मुंबई, मुंबई विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को राहत देने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी कॉलेजों की फीस में कटौती की जाएगी। यह निर्णय सिर्फ शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए लिया गया है। अगर कोई कॉलेज एक्स्ट्रा करिकुलर ऐक्टिविटी का आयोजन करता है, तो वह 50 फीसद फीस ले सकता है। ऐक्टिविटी नहीं होने पर कोई फीस नहीं होगी। कॉलेज मैगजीन पब्लिश करता है, तो वह 25 फीसद फीस विद्यार्थियों से ली जा सकती है। महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना राज्य उपाध्यक्ष संतोष गांगुर्दे के अनुसार, विश्वविद्यालय का फीस में कटौती का निर्णय सराहनीय है, लेकिन महामारी अभी नहीं आई है। 2020-21 के भी विद्यार्थी इस रोग से परेशान थे। इस कारण पिछले साल के विद्यार्थियों को भी यह छूट मिलनी चाहिए।

घट रहा है कोरोना... अगले दो महीने अहम, डॉक्टर बोले- त्योहारों में भीड़ से बचें

मुंबई, महाराष्ट्र में फिलहाल कोरोना के मामलों में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जबकि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बीते 2 दिनों में 300 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। महाराष्ट्र में 6695 नए मामले और 120 लोगों की मौत गुरुवार के दिन दर्ज की गई है। वहीं अगर अब तक कुल मामलों की बात की जाए तो 63.3 लाख आ चुके हैं जिनमें 2231 पुराने मामले भी शामिल हैं। वहीं राज्य में अबतक कुल मौतों की संख्या 1,33,530 है। मुंबई में 9 मौतें दूसरी लहर का असर भी अब मुंबई में कम होता हुआ नजर आ रहा है। गुरुवार को शहर में 327 नए कोरोना मरीजों के साथ 9 मौतें दर्ज की गईं। टास्क फोर्स के सदस्य डॉक्टर शशांक जोशी कहते हैं कि हमारा प्रयास है कि मौतों का आंकड़ा घटकर शून्य रह जाए। इन सभी आंकड़ों को मिलाकर अबतक 7.3 लाख लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं और 15 हज़ार 929 लोगों की मौत भी हुई है। जोशी के मुताबिक ज्यादा से ज्यादा टेस्ट टेस्ट करने पर भी कम लोग ही संक्रमित मिल रहे हैं। इससे पता चलता है कि कोरोना अब धीरे धीरे घट रहा है लेकिन हमें यह ध्यान रखना होगा कि कोविड अभी तक गया नहीं है। दूसरे राज्यों में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए हमें अगले दो महीनों तक और भी सतर्क रहना होगा। खासतौर पर तब जब अगले महीने से त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा है।

तीसरी लहर से पहले दूसरे डोज का संकट

मुंबई, कोरोना की संभावित तीसरी लहर को रोकने के लिए टीकाकरण मुहिम चल रही है, लेकिन इसकी रफ्तार कछुए जैसी है। टीके की कमी के कारण लोगों को मशक्कत करनी पड़ रही है। कई घंटे लाइन लगने के बाद जिन्हें पहला डोज मिल गया था, अब उनके सामने दूसरे डोज का संकट है। ठाणे के रहने वाले 65 वर्षीय मंगरू कनोजिया को टीके की दूसरी खुराक निर्धारित समय से 22 दिन देरी से मिली। मंगरू के मुताबिक, उन्हें पहली खुराक कोवैक्सीन की दी गई थी। वैक्सीन की कमी की वजह से दूसरी खुराक निर्धारित समय से 22 दिन बाद लगी। पहली खुराक उन्हें ठाणे के काजुवाडी केंद्र में लगी थी। स्वाथ्यकर्मियों ने दूसरे डोज के लिए 28 दिन बाद बुलाया था, लेकिन 29वें दिन पहुंचने पर स्टॉक नहीं होने की बात कही गई। दूसरे सेंटर में भी वैक्सीन उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई। जैसे-तैसे एक सेंटर में वैक्सीन की जानकारी मिली, तो सुबह 9 बजे लाइन में लग गए, लेकिन नंबर आने से पहले ही टीका समाप्त हो गया। कई सेंटर के चक्कर काटते-काटते 22 दिन देरी से टीका लगा। संक्रमण रोग विशेषज्ञ डॉ. ईश्वर गिलाडा के मुताबिक, 2 खुराक के बीच का गैप बढ़ने की वजह से लोगों को चिंतित होने की जरूरत नहीं है। टीका का अंतर बढ़ने के बाद भी शरीर में ऐंटिबॉडी बनती है। अन्य रोगों से बचाव के लिए लोगों को टीके की एक ही खुराक दी जाती है। एक खुराक से भी ऐंटिबॉडी बनती है। कोरोना के खिलाफ बनने वाली ऐंटिबॉडी लंबे समय तक शरीर में रहे, इसलिए दूसरी खुराक दी जा रही है।

आमजन के लिए शुरु हो सकती हैं मुंबई लोकल, आदित्य ठाकरे बोले- दो दिन में होगा फैसला

मुंबई, महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे की लोकल ट्रेनों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आने वाले 2 दिनों में इस विषय पर फैसला ले लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकल ट्रेन को लेकर बीते 15 दिनों से लगातार चर्चा शुभ थी। मीठी नदी प्रकल्प के उद्घाटन के दौरान आदित्य ठाकरे ने लोकल ट्रेनों पर यह प्रतिक्रिया दी है। कोरोना के मामले कम होने के बाद से मुंबईकर लगातार सरकार से यह मांग कर रहे थे कि उन्हें भी लोकल ट्रेन में यात्रा करने की अनुमति दी जाए। यह मांग कई राजनीतिक दल भी सरकार से कर चुके थे। हालांकि इस विषय पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा था कि जल्द ही इस पर फैसला लिया जाएगा। बीजेपी का आंदोलन मुंबई लोकल में आम नागरिकों को यात्रा की अनुमति दी जाए। इस मांग को लेकर शुक्रवार को मुंबई, ठाणे समेत कई नजदीकी जिलों में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। ठाणे शहर में तो बीजेपी के कार्यकर्ता सीधे लोकल ट्रेन में घुस गए और वहां पर भी उन्होंने जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान जीआरपी और आरपीएफ के जवानों ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की और बाद में कई लोगों को हिरासत में ले लिया गया। लोगों की जीवन जरूरी आदित्य ठाकरे ने कहा कि दूसरे देशों में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। हिंदुस्तान में भी कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका है। तीसरी लहर आने पर अस्पताल ना भरें, लोगों को कोरोना ना हो। इस बात का भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिनको आंदोलन करना है वे आंदोलन जरूर करें लेकिन वास्तविक कारणों को भी समझना जरूरी है। इसमें किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं करनी चाहिए। लोगों का जीवन बचाना सबसे महत्वपूर्ण है।

पुरस्कार का नाम बदलने पर राजनीति-महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा-भाजपा और RSS को 'गांधी' नाम से नफरत, यह उनकी निम्न स्तर की राजनीति

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने शुक्रवार को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदलने के फैसले के लिए मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यह कदम नेहरू-गांधी परिवार के सदस्यों के लिए भाजपा और आरएसएस की नफरत को दर्शाता है। भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न पुरस्कार का नाम अब राजीव गांधी खेल रत्न नहीं बल्कि मेजर ध्यानचंद खेल रत्न होगा। भारतीय हॉकी टीमों के तोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद इस सम्मान का नाम महान हॉकी खिलाड़ी के नाम पर रखने का फैसला लिया गया। भाजपा और RSS को गांधी नाम से नफरत इसी पर मुंबई में पटोले ने कहा कि मेजर ध्यानचंद हॉकी के दिग्गज थे और केंद्र सरकार उनकी याद में एक नया पुरस्कार स्थापित कर सकती थी या उनके नाम पर एक नई खेल नीति शुरू कर सकती थी। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस को नेहरू-गांधी के नाम से 'नफरत' है और यह प्रतिष्ठित पुरस्कार का नाम बदलने के केंद्र के फैसले में नजर आता है। नाम बदलना भाजपा की निम्न स्तर की राजनीति उन्होंने आगे कहा कि, "मेजर ध्यानचंद के नाम के विरोध का कोई सवाल ही नहीं है। लेकिन नाम परिवर्तन गांधी परिवार से नफरत के कारण हुआ है। यह भाजपा की निम्न स्तर की राजनीति को दर्शाता है।" पटोले ने कहा कि 1984 से 89 तक प्रधानमंत्री रहे राजीव गांधी का देश के विकास और प्रगति में योगदान अद्वितीय है। पटोले ने कहा, "अगर राजीव गांधी का खेलों में कोई योगदान नहीं है तो नरेंद्र मोदी का क्या योगदान है? अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम का नाम एक महान खिलाड़ी के नाम पर रखा जा सकता था।"

राजकोट (गुजरात) की श्रीमती ज्योति द्विवेदी के नाम पर स्कॉलरशिप छात्रों को दिया गया

मुंबई / राजकोट (गुजरात):' श्रीमती ज्योति द्विवेदी स्मृति स्कॉलरशिप' जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई के छात्रों को दिया जाता है। जिसके तहत दो छात्रों को उनकी ट्यूशन फीस के लिए 1,00,000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है। इस बार हाल ही में कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में वैभव तांबे और जतिन सद्रनी को यह स्कॉलरशिप' दिया गया और इस बार चार छात्रों को प्रत्येक 50,000 रुपये की अतिरिक्त तदर्थ अनुदान दिया गया है जोकि हेमंत आहेर, मृणाली बिवलकर, दर्श गणात्रा और शैली कायल है।विजेताओं को निमिश द्वारा लिखित बेस्टसेलर पुस्तक 'मार्केटिंग क्रॉनिकल्स: ए कम्पेंडियम ऑफ ग्लोबल एंड लोकल मार्केटिंग इनसाइट्स फ्रॉम प्री-स्मार्टफोन एंड पोस्ट-स्मार्टफोन एरास' भेंट की गई।

श्री निमिश द्विवेदी द्वारा व्यक्तिगत रूप से JBIMS को छात्रवृत्ति राशि दी जाती है। ये स्कॉलरशिप 6 योग्य छात्रों को अपनी क्षिक्षा पूरी करने और अपने सपनो को पूरा करने में शक्षम बनाएगा| यह अनुदान श्री निमिश द्विवेदी द्वारा वर्ष 2019 में उनकी दिवंगत मां की स्मृति में उच्च शिक्षा में उनके दृढ़ विश्वास के लिए स्थापित किया गया था। वह 1960 के दशक के राजकोट (गुजरात) में ग्रेजुएट्स महिलाओं में से एक थी।

ये अनुदान मेधावी छात्रों को दिया जाता है, जो अपनी पढ़ाई के दौरान वित्तीय कठिनाइयों का सामना करते हैं। द्वितीय वर्ष के एमएमएस छात्रों को उनके प्रथम वर्ष के अंकों और उनके परिवार की वित्तीय स्थिति के आधार पर उनके शैक्षिक खर्चों को पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। स्कॉलरशिप के बारे में एक भेटवार्ता के दौरान निमिश द्विवेदी ने कहा,"पहले हमारे पास ज़ूम ऐप, लैपटॉप व मोबाइल इत्यादि कुछ भी नहीं था, हमें पाठ्यपुस्तक खरीदने के लिये भी बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। मेरी दिवंगत मां ने मुझे सिखाया कि चुनौतियां हमें किसी भी तरह से अवरुद्ध नहीं करनी चाहिए हैं। मैं आप सभी को सभी चुनौतियों से झूजने की इस भावना को सीखने और अपने संगठन को महान बनाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अतिथि श्री इरफान ए. काजी - मुख्य निवेश अधिकारी- स्वामिह इन्वेस्टमेंट फंड - एसबीआई केप वेंचर्स ,जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के निदेशक डॉ.कविता लघाटे ने दिवंगत श्रीमती ज्योति द्विवेदी की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित किया। इससे पहले मैत्रेय कैपिटल एंड बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक और निदेशक श्री गणेश कौलस्कर, फाउंडिंग फ्यूल पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक और निदेशक श्री इंद्रजीत गुप्ता और हेल्थ एंड ग्लो प्राइवेट लिमिटेड प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री वेंकटरमणि के ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था।और इनलोगो को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

पेगासस-इजराइल यात्रा पर हाई कोर्ट का राज्य सरकार को नोटिस

मुंबई, गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर राज्य के सूचना एवं जन संपर्क महानिदेशालय (डीजीआईपीआर) के अधिकारियों की 2019 की इजराइल यात्रा को लेकर एक नोटिस जारी किया है। याचिका में दावा किया गया है कि यह यात्रा पेगासस जैसे स्पाइवेयर खरीदने के लिए की गई थी। इस जनहित याचिका (पीआईएल) में अधिकारियों की यात्रा की न्यायिक जांच करने का अनुरोध किया गया है। लक्ष्मण नरसय्या बुरा और अन्य की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि अब जगजाहिर हो चुके फोन टैपिंग मामलों और इजराइल यात्रा के बीच संभवत: तार जुड़े हुए हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इस तरह की विदेश यात्रा की अनुमति देने वाले कई नियमों का इस प्रक्रिया में उल्लंघन किया गया है। याचिकाकर्ताओं के वकील तेजेश दांडे ने मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी.एस. कुलकर्णी की पीठ से कहा, 'इजराइल के पास वेब मीडिया (अध्ययन यात्रा का विषय) पर ऐसी कोई विशेषज्ञता नहीं है कि राज्य सरकार के अधिकारियों को इसका लाभ मिलता।' उन्होंने कहा, 'याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इजराइल भेजने का मुख्य मकसद पेगासस जैसा जासूसी सॉफ्टवेयर हासिल करना था।' इस पर पीठ ने राज्य सरकार, डीजीआईपीआर और पांच अधिकारियों को चार हफ्तों में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। इन सभी को जनहित याचिका में में पक्षकार बनाया गया है।

मुंबई के चिंचपोकली के कस्तूरबा अस्पताल में LPG गैस हुई लीक, मरीजों को किया गया शिफ्ट

मुंबई, मुंबई के चिंचपोकली के कस्तूरबा अस्पताल में एलपीजी गैसे के रिसाव की खबर सामने आई है। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। खबर के अनुसार अस्पताल के कुल 58 मरीजों को घटना का पता चलने के बाद दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन मरीजों में से 20 मरीज कोरोना वायरस से संक्रमित थे। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़िया घटनास्थल पर पहुंच गईं। इसके बाद तीन पानी के टैंकर भी घटना स्थल पर पहुंचे। घटना शनिवार सुबह 11.34 बजे अस्पताल की 148 नंबर बिल्डिंग में हुई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। मरीजों में फैल गई दहशत एलपीजी गैस रिसाव की खबर से मरीजों के परिजनों और अस्पताल कर्मचारियों में दहशत फैल गई। अधिकारी ने कहा कि अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने बीएमसी की आपदा प्रबंधन टीम को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद दमकल विभाग के अधिकारी और एचपीसीएल के तकनीकी विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे। सुरक्षा कारणों की वजह से आनन फानन में बिल्डिंग को खाली कराया गया और सभी मरीजों को अस्पताल के दूसरे परिसर में शिफ्ट किया गया। इससे पहले 20 जुलाई को, गुजरात के अहमदाबाद शहर के बाहरी इलाके में एक एलपीजी सिलेंडर से गैस के रिसाव के बाद एक कमरे के अंदर आग और विस्फोट होने से सात लोगों की जलने से मौत हो गई थी। मरने वालों में मजदूर और उनके परिवार के सदस्य शामिल थे, जिनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं। इस घटना को लेकर एक अधिकारी ने बताया कि कुछ मजदूर एक फैक्ट्री में काम पर गए हुए थे, उनके परिजन एक छोटे से कमरे में सोए हुए थे। उसी दौरान कमरे में एलपीजी गैस का रिसाव हो गया। यह घटना 20 जुलाई को हुई। जब उनके पड़ोसी ने उन्हें सचेत करने के लिए उनके दरवाजे को खटखटाया तो एक मजदूर ने उठकर बत्ती जला दी, जिससे गैस की सघनता के कारण विस्फोट हो गया।

सावधान-कोविड के बीच लोगों में बढ़ी 'मास्कएक्ने' की समस्या, जानिए इसके लक्षण और बचाव के तरीके

दुनियाभर में पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से जारी कोरोना के संक्रमण से बचाव को ही सुरक्षा का सबसे कारगर उपाय माना जा रहा है। कोरोना से बचाव के लिए लोगों को अच्छी तरह से मास्क लगाकर रखने, सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करने और हाथों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती

है। कोरोना के नए और अधिक घातक वैरिएंट्स के सामने आ रहे मामलों के बीच कई अध्ययनों में लोगों को डबल-मास्किंग की भी सलाह दी जा रही है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने हाल ही में अपने नए कोविड दिशानिर्देशों में वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके लोगों को भी बाहर जाते समय मास्क पहनने की सलाह दी है। हालांकि, लंबे समय तक मास्क लगाने से लोगों को कई गंभीर समस्याएं हो रही हैं। रिपोर्टस में सामने आया है कि ज्यादा देर तक मास्क लगाकर रहने के कारण लोगों को त्वचा से संबंधित दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मेडिकल की भाषा में इसे 'मास्कएक्ने' नाम दिया गया है। आइए आगे की स्लाइडों में इस समस्या के बारे में विस्तार से जानने की कोशिश करते हैं।

मास्क के कारण हो रही हैं त्वचा संबंधी दिक्कतें कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने और बीमारी से सुरक्षित रहने के लिए सभी लोगों के लिए मास्क पहनना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। जहां भी जाएं आपको हर समय मास्क पहने लोग मिल जाएंगे। किराने की दुकान पर हो या पार्क, ऑफिस में हो या परिवहन सुविधाओं में लोगों के लिए मास्क पहनकर रखना अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि लगभग डेढ़ साल से अधिक समय से ज्यादा से ज्यादा वक्त तक मास्क पहनकर रखने के कारण लोगों को त्वचा संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टरों की मानें तो लंबे समय तक मास्क पहने रहने से लोगों को मुंहासे, त्वचा पर लालिमा, खुजली और दाने निकलने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। क्यों हो रही है मास्कएक्ने की समस्या?स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो लंबे समय तक मास्क पहनने से आपकी त्वचा को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। इसके अलावा त्वचा पर होने वाली नमी को मास्क अवशोषित कर लेता है, जिसके कारण रोम छिद्र बंद हो जाते हैं और नमी के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। यह स्थिति मुंहासे, त्वचा पर लालिमा और खुजली का कारण बन सकती है। इसके अलावा मास्क के कारण त्वचा से होने वाले घर्षण की स्थिति में भी इस तरह की दिक्कतें बढ़ जाती हैं। वहीं यदि आपकी त्वचा कुछ प्रकार के कपड़ों की सामग्री के प्रति संवेदनशील है, तो इससे एलर्जी की प्रतिक्रिया भी हो सकती है। कैसे बचें इन समस्याओं से?स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक ज्यादा देर तक मास्क लगाने के कारण त्वचा पर होने वाली इन समस्याओं से बचने के लिए आपके सबसे पहले अच्छे क्वालिटी के मास्क पहनने की जरूरत है। चूंकि कोरोना संक्रमण के मामले फिर एक बार बढ़ने शुरू हो गए हैं और नए वैरिएंट्स तीसरी लहर की आशंका भी बढ़ा रहे हैं, ऐसे में

मनोज जोशी

बाहर जाते समय मास्क लगाकर रखना आवश्यक है। हालांकि जब आसपास ज्यादा भीड़ न हो या आप किसी कमरे में हो तो मास्क उतार लेना चाहिए, जिससे त्वचा को ऑक्सीजन मिलती रहे। इन उपायों को लाएं प्रयोग मेंस्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक मास्क के कारण बढ़ती त्वचा की समस्याओं को देखते हुए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप अपने चेहरे को समय-समय पर धोते रहें। मास्क निकालने के बाद चेहरे को पानी से साफ करना न भूलें। ऐसा करने से आपकी त्वचा की अशुद्धियों खत्म हो जाएगी। चेहरे को धोने के बाद त्वचा पर बिना रसायन वाला क्रीम या मॉइस्चराइज़र जरूर लगाएं। इससे रोमछिद्र बंद नहीं होंगे साथ ही त्वचा पर होने वाली समस्याओं को भी कम किया जा सकेगा। ध्यान रहे, त्वचा पर रसायनिक सौंदर्य प्रसाधनों के प्रयोग से बचना चाहिए।

राहत की खबर-बच्चों में कोरोना संक्रमण का खतरा कम, अध्ययन में सामने आईं बड़ी बातें

दुनिया के कई देशों में कोरोना संक्रमण के दोबारा से बढ़ते मामले और तीसरी लहर को लेकर आशंका, लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। कई अध्ययनों में दावा किया जा रहा है कि कोरोना की तीसरी लहर बच्चों के लिए ज्यादा खतरनाक हो सकती है, इसका मुख्य कारण उन्हें अब तक वैक्सीन न मिल पाना है। इन सभी डर और आशंकाओं के बीच एक अध्ययन में बच्चों को लेकर राहत भरे दावे किए गए हैं। द लैंसेट चाइल्ड एंड अडोलेसेंट हेल्थ जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बच्चों पर कोरोना संक्रमण का ज्यादा असर नहीं हो रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि बच्चे संक्रमित भी हो जाते हैं तो ज्यादातर में छह दिनों के भीतर ही लक्षण कम हो जा रहे हैं।कोरोना की संभावित तीसरी लहर में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर परेशान माता-पिता के लिए यह अध्ययन काफी सुकून देने वाला है। अध्ययन के निष्कर्ष में वैज्ञानिकों का कहना है कि सुरक्षात्मक उपायों को प्रयोग में लाकर बच्चों को कोरोना से सुरक्षित किया जा सकता है, वहीं जो बच्चे संक्रमण की चपेट में आ भी जा रहे हैं, उनको लेकर ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, ऐसे मामले बेहद कम देखे गए हैं जिनमें बच्चों में संक्रमण चार सप्ताह के बाद भी बना रहता है।

आइए आगे की स्लाइडों में इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं। बच्चों में कोरोना के असर को जानने के लिए अध्ययनमाता-पिता और बच्चों की देखभाल करने वालों द्वारा स्मार्टफोन ऐप के माध्यम से साझा किए गए आंकड़ों के आधार पर यह अध्ययन किया गया है। इसमें 5 से 17 साल के ढाई लाख से अधिक बच्चों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया है। इस

अध्ययन को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, महामारी की तीसरी लहर में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर जताई जा रही चिंता के बीच यह अध्ययन अनेकों माता-पिता को सुकून देने वाली है। बच्चों में कोरोना का संक्रमण बहुत ज्यादा प्रभावित करता हुआ नहीं देखा गया है। बच्चों में कोरोना के गंभीर संक्रमण का खतरा बेहद कमसितंबर 2020 से फरवरी 2021 के बीच एकत्र की गई रिपोर्ट में 1,734 बच्चों को कोरोना से संक्रमित पाया गया। अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने बच्चों में संक्रमण की अवधि और उसकी गंभीरता के बारे में जानने की कोशिश की। शोधकर्ताओं ने पाया कि ज्यादातर बच्चों में कोरोना के लक्षण 5-7 दिनों में ठीक हो जा रहे हैं। इसके अलावा बच्चों में कोरोना के गंभीर लक्षण भी बहुत ही कम देखने को मिले। ज्यादातर बच्चों में कोरोना के एसिम्टोमैटिक लक्षणों का निदान किया गया। वहीं लक्षण वाले बच्चों में ज्यादार को सिरदर्द, थकान, गले में खराश, बुखार के साथ गंध और स्वाद न आने की दिक्कतें महसूस हो रही थीं। बच्चों में लॉन्ग कोविड का खतरा कमकिंग्स कॉलेज लंदन में शोधकर्ता और अध्ययन के प्रमुख लेखकों में से एक डॉ एरिका मोल्टेनी कहती हैं, आंकड़ों के अध्ययन के दौरान हमने पाया कि 5 से 11 वर्ष की आयु वाले बच्चों की तुलना में 12 से 17 वर्ष के आयु वर्ग के बड़े बच्चों में बीमारी के लक्षण थोड़े अधिक हो सकते हैं, हालांकि लक्षणों के गंभीर होने की आशंका फिर भी कम ही है। इसके

संजय शर्मा

अलावा चूंकि बच्चों में कोरोना का संक्रमण के कारण मस्तिष्क या फेफड़ों से संबंधित दिक्कतें नहीं देखी गई हैं, ऐसे में कहा जा सकता है कि बच्चों में लॉन्ग कोविड विकसित होने का खतरा भी बेहद कम होता है। कोरोना से रखें बच्चों को सुरक्षितकिंग्स कॉलेज लंदन में वरिष्ठ सलाहकार और अध्ययन के लेखक माइकल एब्सौड कहते हैं, अध्ययन का निष्कर्ष राहत देने वाला है, हालांकि इस आधार पर बच्चों को सुरक्षा दायरे से बाहर नहीं जाने देना होगा। कई हिस्सों में कोविड के प्रसार को कम करने के लिए लगाए गए लॉकडाउन में छूट दी गई है, ऐसे में बीमारी की व्यापकता बढ़ने की संभावना है। कोरोना की तीसरी लहर कितनी प्रभावी होगी इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है, ऐसे में बच्चों को सुरक्षित रखना आवश्यक है। सरकारों को जल्द से जल्द बच्चों के लिए वैक्सीन की व्यवस्था करनी चाहिए जिससे इन्हें भी कोरोना से सुरक्षित किया जा सके।

पार्टनर की इन चार बातों को न लें हल्के में, नहीं तो हो सकती है दिक्कत

प्यार का रिश्ता मजबूरियों से नहीं बल्कि सम्मान, प्रेम और एक-दूसरे के चाहने से बनता है। ये एक ऐसा रिश्ता है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है, क्योंकि प्यार कब किससे और कहां हो जाए ये कोई नहीं जानता। जब लोग पार्टनर संग इस रिश्ते में बंधते हैं या बंधने वाले होते हैं, तो वे इस प्यार के रिश्ते को लेकर कई सपने देखते हैं। अपने रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए लगभग हर कपल अपनी पूरी कोशिश करता है और रिश्ते में आने वाली सभी चुनौतियों का एक साथ सामना भी करता है। लेकिन कई रिलेशनशिप में देखा जाता है कई लोग अपने इस रिश्ते को लेकर लापरवाह होते हैं, और वे अपने पार्टनर के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचते हैं, जो किसी भी प्यार के रिश्ते के लिए गलत हो सकता है।

जरूरी है कि आप अपने रिश्ते का ध्यान रखें। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसी बातें बताने जा रहे हैं जिनका ध्यान आपको रखना चाहिए और न ही नजरअंदाज करना चाहिए।

तो चलिए जानते हैं इनके बारे में।शक करने की आदतकई लोगों की आदत होती है कि वे हर छोटी-छोटी बात को लेकर या फिर बेवजह अपने पार्टनर पर शक करने लगते हैं। ऐसे में अगर आपका पार्टनर भी ऐसा करता है तो आपको संभलने की जरूरत है, क्योंकि आगे चलकर आप इससे कोई बड़ी मुसीबत में पड़ सकते हैं। इसलिए समझदारी से काम लें और अपने पार्टनर से बात करें। झूठ बोलने की आदतझूठ बोलना किसी भी रिश्ते के लिए अच्छा नहीं होता है। अगर आपका पार्टनर आपसे झूठ बोलता है, तो आपको उनसे उनकी इस आदत को लेकर बात करनी चाहिए। उनको बताना चाहिए कि ये आदत सही नहीं है, क्योंकि इसका सीधा असर आपके रिश्ते पर पड़ सकता है। चीजें छुपाने की आदतकई लोगों की आदत होती है कि वे चीजों को छुपाते हैं, बातें छुपाते हैं और जब वे किसी के साथ रिलेशनशिप में बंधते हैं तो उनकी ये आदत बदलती नहीं है। ऐसे में उनकी ये आदत आपके प्यार के रिश्ते के लिए खराब हो सकती है। इज्जत न करने की आदतहर कोई चाहता है कि उसका पार्टनर उनका सम्मान करे, उसकी बात समझे और उसकी इज्जत करें। लेकिन कई लोग अपने पार्टनर की बिल्कुल भी इज्जत नहीं करते हैं, जो कि गलत है। ऐसे में आपके पार्टनर और आपके रिश्ते के लिए ये काफी बुरा हो सकता है। इसलिए इस आदत को बदलना बेहतर विकल्प है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष: मेष राशि वाले जातकों को स्वास्थ्य और रिश्तों को लेकर सजग रहना होगा। इस सप्ताह आपके नेतृत्व को सराहना मिलेगी। आपके द्वारा लिए गए निर्णय सभी मानने को बाध्य होंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बनने वाली है। कार्यों को गति देने के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे। आर्थिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे।

वृषभ : इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाएं प्राप्त हो सकती है। किसी पारिवारिक मांगलिक प्रसंग में जाने का अवसर आएगा। कठिन परिश्रम का शुभ फल आपको मिलने वाला है। संतान पक्ष के कार्य उत्तम होंगे। आलस्य का त्याग करेंगे तो आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पाएगा। प्रेम संबंधों और दांपत्य सुख के लिए समय अच्छा है।

मिथुन: पारिवारिक समागम में जाने का अवसर आएगा। यह खर्च वाला सप्ताह है, लेकिन खर्च शुभ कार्यों में ही होगा। नया बिजनेस प्रारंभ करने का समय है। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो शुभ रहेगा। आर्थिक मजबूती बढ़ेगी। निवेश के लिए भी सप्ताह शुभ है। सप्ताह के अंत में आंतरिक ऊर्जा में कमी महसूस करेंगे। खानपान का ध्यान रखें।

कर्क: काम और परिवार के बीच तालमेल बिठाकर रखें। युवाओं को अपने प्रेम में पारदर्शिता रखना होगी। अपने और परिवार के किसी बुजुर्ग व्यक्ति के स्वास्थ्य पर नजर रखें। नए लोगों से संपर्क बनेगा। अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए दूसरों का सहयोग लेना पड़ेगा। आर्थिक मामलों में भरोसेमंद लोगों की सलाह मायने रखेगी।

सिंह: महिलाओं की धार्मिक-आध्यात्मिक प्रवृत्ति जागृत होगी। सेहत पर ध्यान रखें, बाहरी खानपान करते वक्त और लोगों से मिलते-जुलते समय संक्रामक रोगों का खतरा हो सकता है। अविवाहितों को विवाह का प्रस्ताव आएगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। कारोबारियों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या: किसी से व्यर्थ का विवाद होने के कारण मानसिक कष्ट होगा। शारीरिक रूप से भी थोड़े परेशान रह सकते हैं। अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखें, वरना नुकसान आपका ही होगा। नौकरीपेशा लोगों को अधीनस्थों से असहयोग रहेगा। इस कारण अपना बेस्ट नहीं दे पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय भी सामान्य रहेगा।

तुला: नए कार्य-व्यवसाय के लिए समय उत्तम है। पुरानी ठप पड़ी योजनाओं को फिर से जीवित करें, लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों का स्थानांतरण हो सकता है। प्रतिस्पर्धियों से सतर्क रहने की जरूरत है। धन संबंधी मामलों के लिए सप्ताह ठीक रहेगा। पुराने निवेश से लाभ होगा। उधार दिया हुआ और फंसा हुआ पैसा लौट आएगा।

वृश्चिक: इस सप्ताह आपको नए प्रेम संबंध भी प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों के लिए पुराने समय से चली आ रही चुनौतियां दूर हो जाएंगी और अपने काम में नयापन लाने में कामयाब होंगे। नौकरीपेशा को च्चाधिकारियों से अनबन हो सकती है। अत्यधिक तनाव लेने के कारण शारीरिक रोग भी आ सकते हैं। बीमारियों पर खर्च बढ़ने की संभावना है।

धनु :नया बिजनेस, नई नौकरी, प्रेम प्रस्ताव सब दे डालिए। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने वाली है। पारिवारिक जीवन में चल रहे विवादों का निपटारा होगा। चिकित्सा और इंजीनियरिंग फील्ड से जुड़े लोगों को उपलब्धि हासिल होगी। दांपत्य जीवन भी सुखद रहेगा।

मकर: अत्यधिक भागदौड़ का विपरीत असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। लंबे समय से जो काम अटके हुए हैं वे इस सप्ताह पूरे हो जाएंगे। आर्थिक लाभ का समय है। किसी विशेष कार्य से पैसा कमाने का अवसर आएगा। प्रेम संबंध प्राप्त होगा या जो संबंध पहले से चल रहा है उसमें गर्माहट आएगी।

कुंभ :अपने संबंधों में दिमाग की बजाय दिल से काम लेंगे तो अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। बीमारियों पर हो रहे खर्च में कमी आएगी। खासकर बुजुर्गों को लंबे समय से जो परेशानी बनी हुई है वह दूर हो जाएगी। विवाह प्रस्ताव मंजूर होगा। आय के साधनों में उत्तरोत्तर वृद्धि की संभावना है।

मीन :कार्य की अधिकता के कारण थकान का अनुभव करेंगे। आंतरिक ऊर्जा बढ़ाने के लिए योग, मेडिटेशन जरूर करें। इस सप्ताह आपको अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखना होगा वरना रिश्ते खराब कर बैठेंगे। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलेगी। नए कार्य व्यवसाय की शुरुआत के लिए समय ठीक है।

चुटकुले

एक महिला अपनी सहेली से- मुझे अपने पति पर शक है, वो छिप-छिपकर किसी से मिलते हैं।.
सहेली- तो अब क्या करेगी तू...
.महिला- कल ही उनके पीछे अपना बॉयफ्रेंड लगाती हूं।

यूपी के दौरे पर नड्डा-भाजपा अध्यक्ष बोले- यूपी चुनाव को लेकर अपनी जिम्मेदारियां निभाएं जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जनता ने आपको चुनकर भेजा है, आप जनता के नेता नहीं, उसके विश्वास के कस्टोडियन हैं। उसके विश्वास को संभाल कर रखना चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी यूपी चुनाव को लेकर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं। वह लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित

कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने किसानों के लिए जितना ज्यादा किया है उतना किसी ने भी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में 1.21 लाख करोड़ रुपये कृषि पर खर्च होता था लेकिन मोदी सरकार में 2.11 लाख करोड़ रुपये कृषि पर खर्च किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि जनता ने आपको चुनकर भेजा है, आप जनता के नेता नहीं, उसके विश्वास के कस्टोडियन हैं। उसके विश्वास को संभाल कर रखना चाहिए। वहीं, पंचायत चुनाव पर नड्डा ने कहा कि योगी सरकार ने लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है जिस तरीके से इस महामारी में उनकी सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत के चुनाव कराए। ये सब आपको भारत में ही मिलेगा। यहां के लोकतंत्र की यही खूबसूरती है।नड्डा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि योगी जी के नेतृत्व में आज यूपी तेजी से तरक्की कर रहा है। दशकों से कई गांव ऐसे थे जहां कभी बिजली नहीं आई लेकिन मोदी और प्रदेश में योगी के नेतृत्व में आज लोगों के जीवन में रोशनी आई है। पहले भारत की तस्वीर थी कि धुएं में फेफड़ा जलाकर महिला अपने परिवार को खाना खिलाती थी लेकिन मोदी ने उज्ज्वला योजना से महिलाओं की जिंदगी बदलने का काम किया है।

मोदी का संकल्प है कि कोई भी पक्की छत से वंचित न रहे। आप सभी उनके संकल्प को पूर्ण करने के लिए गांव-गांव घर-घर जाकर प्रयास करिए।उन्होंने कहा कि पीएम किसान मानधन योजना से अब तीन हजार रुपये की मासिक पेंशन 60 साल की उम्र होने पर मिलने लगी है। क्या ये किसानों के लिए किया गया बड़ा फैसला नहीं है?

पहले की सरकारों में यूरिया लेने के लिए किसानों को लाठी खानी पड़ती थी। नीम कोटेड यूरिया किसानों को देकर यूरिया की ब्लैक मार्केटिंग रोक दी गई है। इन विषयों की चर्चा किसानों के बीच करें। आज तक किसी सरकार ने किसानों का सम्मान नहीं किया। ये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार है जिसने किसान सम्मान की राशि देकर उनका मान बढ़ाया है।

डीएपी जो 2400 रुपये में आता था आज वह 1200 रुपये में आता है। आप सभी को लोगों को इसे बताना होगा कि मोदी सरकार किसानों की हितैषी है।

21 लाख करदाताओं को फायदा, चालू वित्त वर्ष में दो अगस्त तक जारी किया गया 45896 करोड़ का रिफंड

आयकर विभाग ने एक अप्रैल 2021 से दो अगस्त 2021 तक 21.32 लाख से ज्यादा करदाताओं को 45,896 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया है। 20,12,802 मामलों में 13,694 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर रिफंड जारी किया गया। वहीं 1,19,173 मामलों में 32,203 करोड़ रुपये का कॉर्पोरेट कर रिफंड जारी किया गया है।संकट के समय में तेज है रिफंड वापसी की प्रक्रियाकोरोना वायरस महामारी के समय करदाताओं के लिए यह बहुत राहत की बात है। मालूम हो कि आयकर विभाग ने कहा था कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आत्मनिर्भर भारत योजना की घोषणा किए जाने के बाद से रिफंड वापसी की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। करदाता अपने आयकर रिफंड की मौजूदा स्थिति जानने के लिए आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल अथवा एनएसडीएल की वेबसाइट पर जा सकते हैं। हालांकि, रिफंड के लिए आपका खाता पैन से जुड़ा होना जरूरी है। आयकर विभाग ने घोषणा की थी कि एक मार्च 2019 से केवल ई-रिफंड ही जारी किया जाएगा। यह केवल उसी बैंक खाते में जमा होगा जो पैन कार्ड से लिंक है और जिसका विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर पूर्व सत्यापन हो चुका है।सात जून को हो हुई थी नए आयकर पोर्टल की शुरुआत मालूम हो कि गत सात जून को काफी जोरशोर से नए आयकर पोर्टल www.incometax.gov.in की शुरुआत की गई थी। शुरुआत से ही पोर्टल पर तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं। इसी के चलते वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 22 जून को इंफोसिस के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इंफोसिस ने

ही इस नई वेबसाइट को तैयार किया है। इंफोसिस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक सलिल पारेख ने वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा था कि, 'हम नए पोर्टल पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम बहुत तेजी से काम कर रहे हैं। बड़ी संख्या में आईटीआर भी दाखिल किए गए हैं।

कोरोना-जॉनसन एंड जॉनसन को भारत में बड़ी सफलता, सिंगल खुराक वाली वैक्सीन को मिली आपात उपयोग की मंजूरी

टीकाकरण के क्षेत्र में शनिवार को अमेरिकी वैक्सीन निर्माता कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन को बड़ी सफलता मिली है। दरअसल इसकी सिंगल खुराक वाली वैक्सीन को भारत में आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है।बता दें कि बीते शुक्रवार को जॉनसन एंड जॉनसन ने अपनी वैक्सीन के आपात इस्तेमाल के लिए भारत सरकार से अनुमति मांगी थी। खास बात यह है कि यह वैक्सीन सिंगल डोज वैक्सीन है। यानी इसकी एक ही डोज कोरोना के खिलाफ काफी है। भारत में अबतक जितनी भी वैक्सीन कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए इस्तेमाल हो रही हैं, वे सभी डबल डोज वैक्सीन हैं। वहीं मंजूरी मिलने के बाद जॉनसन एंड जॉनसन इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि सात अगस्त 2021 को, भारत सरकार ने भारत में जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल खुराक कोरोना वैक्सीन के लिए आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दे दी ताकि 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों में कोरोना संक्रमण को रोका जा सके।

मोहाली में दिनदहाड़े वारदात-यूथ अकाली दल के राष्ट्रीय महासचिव को गोलियों से भूना, मौके पर ही मौत

मोहाली में सेक्टर 71 की मार्केट में शनिवार को यूथ अकाली नेता विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की मिंडूखेड़ा की ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। आई 20 कार में आए चार हमलावरों ने विक्की का पीछा कर उस पर गोलियां बरसाई। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही एसएसपी सतिंदर सिंह फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे।यूथ अकाली दल के राष्ट्रीय महासचिव व एसओआई के प्रधान रहे विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की मिंडूखेड़ा को शनिवार को आई 20 कार में आए चार हमलावरों ने सेक्टर 71 की मार्केट में घेर लिया। विक्की हमलावरों से बचने के लिए अपने घर की ओर भागा, लेकिन हमलावरों ने उसका पीछा कर उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई। हमलावरों ने विक्की का आधा किमी तक पीछा कर करीब 20 राउंड फायर किए। विक्की को 9 गोलियां लगीं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वारदात के बाद एसएसपी सतिंदर सिंह फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस घटना स्थल व आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। घटना के पीछे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

तमिलनाडु-1 सितंबर से खुलने वाले हैं 9वीं से लेकर 12वीं तक के स्कूल, 50 फीसदी क्षमता के साथ कक्षाओं का संचालन

कोरोना वायरस की वजह से पिछले काफी लंबे वक्त से स्कूल बंद हैं और अब धीरे-धीरे तमाम राज्य सरकारें स्कूलों को फिर से खोल रही है।

तमिलनाडु में भी कोरोना की स्थिति अनुकूल होने पर 1 सितंबर से नौवीं से लेकर 12वीं तक के स्कूल खुलने की संभावना है। सरकार के हालिया आदेशों के अनुसार, 9वीं से लेकर 12वीं कक्षा तक के स्कूल जल्द खुलने की संभावना है। नौवीं से लेकर 12वीं तक के स्कूलों को 50 फीसदी की क्षमता के साथ फिर से खोला जाएगा। सूबे के मुख्यमंत्री

एम के स्टालिन द्वारा राज्य में कोविड-19 स्थिति की समीक्षा के बाद यह नया आदेश पारित हुआ है। जिसमें कहा गया है कि अगर स्थिति सामान्य रही तो 1 सितंबर से 9वीं से लेकर 12वीं तक की कक्षाओं का फिजिकली संचालना होगा। सूबे में कोरोना के कुछ नए मामले सामने आने के बाद चिकित्सा विशेषज्ञों से सलाह मशविरा के बाद यह फैसला लिया गया। चिकित्सा विशेषज्ञों ने स्कूलों को फिर से खोलने के महत्व को महसूस किया और इसलिए यह निर्णय लिया गया। सूबे के सीएम एमके स्टालिन के मुताबिक, विशेषज्ञों का कहना है कि घर में रहने के कारण बच्चे अवसाद में है। इसके अलावा, उनके घर में रहने से सीखने की प्रक्रिया में एक अंतर पैदा हो गया है। ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान नेटवर्क और गैजेट की समस्या के कारण अधिकांश बच्चे उपस्थित नहीं हो सके।

ऐसे में छात्रों के सर्वांगीण कल्याण के लिए स्कूलों को फिर से खोलना अब महत्वपूर्ण है। सूबे के मेडिकल कॉलेजों को 16 अगस्त से फिर से खोलने की अनुमति दी गई है।

टीकाकरण-राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों के पास 2.29 करोड़ टीके उपलब्ध, स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी जानकारी

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब तक 51.66 करोड़ (51,66,13,680) वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी है।

राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास तकरीबन 2.29 करोड़ से अधिक और अप्रयुक्त कोविड-19 वैक्सीन की खुराक अभी भी उपलब्ध हैं। इस बात की जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार दी। मंत्रालय ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब तक 51.66 करोड़ (51,66,13,680) वैक्सीन की खुराक सभी स्रोतों के माध्यम से प्रदान की जा चुकी है। वहीं 55,52,070 खुराक पाइपलाइन में है।अभी तक 49.74 करोड़ खुराक का हुआ है इस्तेमालमंत्रालय ने बताया कि इन कुल खुराक में से अपव्यय सहित कुल खपत तकरीबन (शनिवार को सुबह उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार) 49,74,90,815 खुराक की हुई है। 2.29 करोड़ (2,29,36,394) से अधिक शेष और अप्रयुक्त कोविड-19 वैक्सीन खुराक अभी भी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास उपलब्ध हैं।इस वजह से टीकाकरण अभियान में आई तेजीमंत्रालय ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार टीकाकरण की गति में तेजी लाने और पूरे देश में कोविड-

19 टीकाकरण के दायरे का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। कोविड-19 टीकाकरण नया चरण 21 जून से शुरू हुआ था। अधिक टीकों की उपलब्धता, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा टीकाकरण की योजना तैयार करने के लिए पूर्व में वैक्सीन की उपलब्धता और वैक्सीन आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित करने के माध्यम से टीकाकरण अभियान को तेज किया गया है।कुल उत्पादित टीकों में से 75 फीसदी की करेगी खरीदीराष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में, भारत सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मुफ्त में कोविड-19 टीके उपलब्ध कराकर उनका समर्थन कर रही है। मंत्रालय के अनुसार, COVID-19 टीकाकरण अभियान के नए चरण में, केंद्र सरकार देश में वैक्सीन निर्माताओं द्वारा उत्पादित किए जा रहे 75 फीसदी टीकों की खरीद और आपूर्ति (मुफ्त) करेगी।

आईसीएसई, आईएससी परीक्षा 2022- बोर्ड ने जारी किया टर्म वाइज मॉड्यूल, नवंबर में होगा पहला एग्जाम

कक्षा 10वीं और 12वीं के लिए इस बार सीआईएससीई ने पाठ्यक्रम को दो टर्म में विभाजित किया है।

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में मूल्यांकन के लिए संशोधित योजना जारी की है। आईसीएसई, आईएससी परीक्षा 2022 क्रमशः कक्षा 10वीं और 12वीं के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, सीबीएसई के टर्म मॉडल की तरह इस बार सीआईएससीई भी दो टर्म आयोजित करेगा। सीआईएससीई द्वारा आईसीएसई, आईएससी परीक्षा 2022 के लिए जारी योजना के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2021-22 को दो सेमेस्टर में विभाजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक सेमेस्टर में लगभग 50 फीसदी पाठ्यक्रम शामिल होगा। प्रत्येक सेमेस्टर की परीक्षा के प्रश्न पत्र आईसीएसई के लिए 80/100 अंकों और आईएससी के लिए 70/80 अंकों के होंगे। हालांकि, बोर्ड के परिणामों की गणना के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रत्येक सेमेस्टर के वेटेज को बाद में आधा कर दिया जाएगा।सेमेस्टर अंतिम परीक्षाओं के अलावा, छात्रों का मूल्यांकन आईएससी स्तर पर प्रैक्टिकल/प्रोजेक्ट वर्क पर भी किया जाएगा। अंकों का वेटेज अपरिवर्तित रहता है।इसी तरह, आईसीएसई छात्रों के लिए, आंतरिक मूल्यांकन भी किया जाएगा और वेटेज अपरिवर्तित रहेगा।यदि स्थिति अनुकूल है, तो आईएससी प्रैक्टिकल ऑफ़लाइन आयोजित किए जाएंगे, जिसमें विज़िटिंग परीक्षक सीआईएससीई के विस्तृत दिशानिर्देशों के आधार पर प्रैक्टिकल प्रश्न पत्र निर्धारित करेंगे।हालांकि, यदि कोविड-19 के कारण स्थिति अनुकूल नहीं है, तो प्रैक्टिकल परीक्षा वर्चुअली आयोजित की जाएगी।इसके अलावा, स्कूलों को दूसरे सेमेस्टर के अंत में करियर पोर्टल पर एक निर्दिष्ट तिथि तक प्रैक्टिकल/प्रोजेक्ट वर्क/आंतरिक मूल्यांकन/एसयूपीडब्ल्यू ग्रेड के अंक अपलोड करने होंगे।स्कूलों को छात्रों द्वारा विशेष रूप से परियोजनाओं द्वारा किए गए सभी कार्यों का एक उचित रिकॉर्ड भी रखना चाहिए क्योंकि सीआईएससीई कभी भी इसका नमूना मांग सकता है।नौवीं और ग्यारहवीं के पाठ्यक्रम में नहीं हुए कोई बदलावइस बार शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए सीआईएससीई परीक्षा आयोजित नहीं करेगा। हालांकि, हितधारकों को ध्यान देना चाहिए कि कक्षा IX और XI के पाठ्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं आईसीएसई (दसवीं कक्षा) और आईएससी (बारहवीं कक्षा) वर्ष 2022 परीक्षाओं के लिए कम किया गया पाठ्यक्रम सीआईएससीई की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

3 दिन तक मंत्रियों की क्लास लेंगे पीएम मोदी! अगले 3 साल का प्लान तैयार कर बैठक में आने का निर्देश

नये कैबिनेट के गठन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब अपनी टीम के साथ लंबी मंथन करेंगे। अगले हफ्ते पीएम मोदी की यह मीटिंग होनी है। ऐसा बताया जा रहा है कि इस बैठक में पीएम अपने कैबिनेट के सहयोगियों के साथ भविष्य के लक्ष्यों पर विचार-विमर्श करेंगे। सूत्रों के मुताबिक यह अहम बैठक 10 अगस्त से शुरू होगी जो तीन दिनों तक चलेगी। तीन दिनों तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मंत्रियों की क्लास लेंगे और उनसे भविष्य के एक्शन प्लान के बारे में जानकारी लेंगे। यह पहला मौका होगा जब कैबिनेट के विस्तार के बाद पीएम मोदी मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ इतनी लंबी बैठक करेंगे। कुछ वरिष्ठ मंत्रियों ने इस बात की पुष्टि की है कि सरकार ने उन्हें हिदायत दी है कि वो अपने कामकाज का लेखा-जोखा तैयार कर लें। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में आम लोगों की जिंदगी को आसान बनाने के लिए बनाई गई योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए विस्तृत रणनीति बनाई जाएगी। सूत्रों ने यह भी बताया कि बैठक के दौरान सभी विभाग के मंत्री अपने कामकाज को लेकर तीन सालों का प्लान भी प्रधानमंत्री को बताएंगे। 'आत्मनिर्भर भारत' को लेकर जहां इस मीटिंग में चर्चा होगी तो वहीं कोविड-19 महामारी की चुनौतियों से निपटने को लेकर भी मंथन किया जाएगा। मंत्रियों को यह भी कहा गया है कि अगले तीन सालों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं उन राज्यों के लिए कौन-कौन सी योजनाएं बनाई गई हैं और उन्हें कैसे अमलीजामा पहनाया जाएगा उसपर वो पूरी तैयारी कर इस मीटिंग में आएं।

SPORTS खेल जगत

ऐतिहासिक-नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास, ओलंपिक के ट्रैक एंड फील्ड में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय

टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा भारतीय उम्मीदों के साथ मैदान में उतर चुके हैं। देश के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज से पूरे देश को पदक की उम्मीदें हैं। 23 वर्षीय हरियाणा के इस खिलाड़ी से एथलेटिक्स में पहले पदक की उम्मीद की जा रही है और उन्होंने उम्मीदों के अनुरूप ही फाइनल में जोरदार शुरुआत की है। नीरज ने पहले प्रयास में 87.03 का स्कोर किया है और पहले स्थान पर हैं।मैच का हर अपडेटपांचवां प्रयासनीरज का पांचवां प्रयास भी फाउल नीरज अभी भी पहल स्थान परचौथा प्रयासनीरज ने चौथे प्रयास में फ़ाउल किया नीरज अभी तक इकलौते खिलाड़ी हैं जिन्होंने 87 मीटर का स्कोर हासिल किया है चेक गणराज्य के वाडलेच जैकब ने 86.67 के स्कोर से दूसरे स्थान पर अब मुकाबला 8 खिलाड़ियों के बीचतीसरा प्रयासनीरज तीसरे प्रयास में 76.79 का स्कोर ही कर पाए नीरज का श्रेष्ठ अभी भी 87.58 हैसभी खिलाड़ियों को कुल छह मौके मिलेंगे चेक गणराज्य के वेस्ले वितेजस्लाव 85.44 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर तीसरे प्रयास के बाद भी नीरज टॉप पर तीन प्रयास के बाद नीरज (87.58) शीर्ष पर, वेस्ले (85.44) दूसरे और वेबर जूलियन (85.30) तीसरे स्थान पर हैं दूसरा प्रयास:नीरज ने दूसरे प्रयास में 87.58 का स्कोर किया पहले स्थान पर मौजूद पहले प्रयास में नीरज ने 87.03 का स्कोर किया था वेबर जूलियन ने दूसरे प्रयास में 85.30 का स्कोर किया, दूसरे स्थान पर पहला प्रयास:नीरज चोपड़ा ने पहले प्रयास में 87.03 का स्कोर किया। पहले स्थान पर मौजूद जर्मनी के वेबर जूलियन 85.30 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर कोहनी की चोट से उबरकर की वापसी भारतीय सेना के नीरज की ओलंपिक की तैयारियां 2019 में कोहनी की चोट और फिर कोविड-19 महामारी के कारण प्रभावित हुई थी लेकिन उन्होंने अपने प्रशंसकों को बिल्कुल निराश नहीं किया। ओलंपिक में अपनी पहली ही थ्रो पर फाइनल में जगह बना ली। वह ओलंपिक से पहले सिर्फ तीन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले पाए थे। इसमें कुआर्टेन खेल ही विश्व स्तरीय प्रतियोगिता थी जहां चोपड़ा तीसरे स्थान पर रहे थे जबकि वेटेर ने खिताब जीता था।दावेदार वेटेर व लेसी भी रहे नीरज से पीछेखिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे जर्मनी के योहानेस वेटेर (85.65 मीटर) और फिनलैंड के लेसी एटलेटालो (84.50 मीटर) भी क्वालिफिकेशन में नीरज से पीछे क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे थे। मौजूदा सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले कुछ खिलाड़ी क्वालिफिकेशन में ही बाहर हो चुके हैं। मौजूदा सत्र में शीर्ष पांच प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से सिर्फ नीरज और वेटेर ही फाइनल में पहुंच पाए हैं।

बजरंग ने देश की झोली में डाला छठा पदक, लगा बधाईयों का तांता, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री बोले- आप पर गर्व है

भारत के स्टार पहलवान बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। दूसरे वरीय बजरंग ने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के कांस्य पदक मुकाबले में कजाकस्तान के पहलवान नियाजबेकोव को एकतरफा मुकाबले में हराया। पूनिया ने नियाजबेकोव को 8-0 से पटखनी दी।

पूनिया की इस जीत पर हर कोई बधाई दे रहा है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर खेल मंत्री तक ने बजरंग को शुभकामनाएं दी हैं। आपकी इस उपलब्धि पर हर भारतीय को गर्व है- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीप्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा- टोक्यो से एक और खुशखबरी! बजरंग पुनिया ने शानदार खेल दिखाया। आपको आपकी उपलब्धि के लिए बधाई।

आपकी इस उपलब्धि पर हर भारतीय को गर्व है। भारतीय कुश्ती के लिए एक खास पल- राष्ट्रपति राम नाम कोविंदराष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट कर कहा, 'भारतीय कुश्ती के लिए एक खास पल! कांस्य पदक जीतने पर बजरंग पूनिया को बधाई। आपने वर्षों से अथक प्रयासों, निरंतरता और तप के साथ खुद को एक उत्कृष्ट पहलवान के रूप में प्रतिष्ठित किया है। आपकी सफलता की खुशी हर भारतीय को है!' आपका प्रदर्शन और शानदार फिनिश देखकर बहुत अच्छा लगा- अनुराग ठाकुरवहीं, खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बजरंग की सफलता पर खुशी जताई है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, मुझे आप पर गर्व है। टोक्यो ओलंपिक में आपका प्रदर्शन और शानदार फिनिश देखकर बहुत अच्छा लगा।'

सेमीफाइनल में मिली हार का बदला लेना चाहेंगे पहलवान बजरंग पुनिया, कांस्य पदक के लिए होगा मुकाबला

बजरंग पुनिया (65 किग्रा) की हार के साथ भारत का ओलंपिक में कुश्ती में स्वर्ण पदक जीतने का इंतजार और बढ़ गया। टोक्यो में पीला तमगा जीतने के सबसे बड़े दावेदार बजरंग को सेमीफाइनल में तीन बार के विश्व चैंपियन हाजी अलीव के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा। अब हरियाणा का यह पहलवान शनिवार को कांस्य पदक के लिए खेलेगा। रियो ओलंपिक के कांस्य विजेता अजरबैजान के अलीव ने लगातार बजरंग के पैरों पर हमला किया। उन्होंने दो बार खुद को उस स्थिति में पहुंचा दिया जहां से वह आसानी से दो अंक हासिल

करने में सफल रहे। पहले पीरियड के बाद 1-4 से पीछे चल रहे बजरंग ने दूसरे पीरियड मे वापसी के लिए आक्रामक रूख अपनाया लेकिन एलीव ने बड़ी चतुराई ने उनकी चाल को नाकाम करते हुए 8-1 की बढ़त हासिल कर ली। आखिरी क्षणों में बजरंग ने वापसी की लेकिन उन्हें मैच जीतने के लिए ज्यादा अंकों वाली पकड़ की जरूरत थी। मुकाबले के आखिरी 30 सेकंड में उन्होंने अपना हमला तेज किया लेकिन अलीव ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। हार सुनिश्चित होने के बाद बजरंग मैट पर गिर गए। बजरंग ने दिन पहले मुकाबले में किर्गीस्तान के अर्नाजार अकमातालिएव को और क्वार्टर फाइनल में ईरान के मुर्तजा चेका घियासी को पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी

रविंद्र जडेजा की पारी से इम्प्रैस हुए माइकल वॉन, इस अंदाज में की जमकर तारीफ

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन अपने बयानों के लिए काफी चर्चा में रहते हैं। कभी किसी टीम की आलोचना करते हुए तो कभी किसी टीम की तारीफ करते हुए, वॉन ट्विटर पर काफी एक्टिव रहते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट के तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद भारत टेस्ट में अपनी पकड़ मजबूत बना चुका था। भारत ने अच्छी बल्लेबाजी की और इंग्लैंड पर 95 रनों की महत्त्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। भारत की तरफ से लोकेश राहुल और रविन्द्र जडेजा ने छठे विकेट के लिए 60 रनों की अहम पार्टनरशिप की और टीम को बढ़त दिलाई। जडेजा ने 86 गेंदों में 56 रन बनाए जिसमें 8 चौके और 1 छक्का था। उनकी इस पारी की काफी तारीफ हो रही है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन भी उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सके। जडेजा जब मैदान पर बल्लेबाजी करने आए तब टीम 145 रनों पर 5 विकेट गंवा चुकी थी। तब जडेजा ने राहुल के साथ मिलकर टीम को संकट से निकाला। अंत में भारत के पुछल्ले बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए और भारत को एक अच्छे स्कोर तक ले गए। जसप्रीत बुमराह ने 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 28 रन बनाए तो मोहम्मद शमी ने भी 13 रन बनाए। भारत ने अपनी पहली पारी में 278 रन बनाए।

देश परदेश

कैसे कुछ स्टूडेंट्स का संगठन बन गया अफगानिस्तान से अमेरिका तक के लिए सिरदर्द, पढ़ें तालिबान की पूरी कुंडली

अरबी भाषा का एक शब्द है तालिब। इसका अर्थ है छात्र। और तालिबान माने छात्रों का ग्रुप। 1989 में सोवियत सैनिकों की अफगानिस्तान से वापसी हुई तो इस ग्रुप के लोग जमा होना शुरू हुए। इसमें से कई लोग सोवियत काल में सोवियत के खिलाफ लड़ चुके थे। ये लोग अफगानिस्तान में सोवियत के कब्जे का विरोध कर रहे थे। इन लोगों को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से ट्रेनिंग, हथियार और समर्थन मिला। इनके साथ पश्तून के युवा भी शामिल हुए जो पाकिस्तानी मदरसों में पढ़ते थे। पश्तून, पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम और अफगानिस्तान के दक्षिण-पूर्व में फैले हुए हैं।

फॉल ऑफ़ काबुल

सोवियत के जाने के बाद कई पॉवर सेंटर बन रहे थे। तालिबान ने अफगानिस्तान में शांति, कानून आदि की बात की और लोगों का समर्थन मिला। 1994 तक कंधार के इलाके में तालिबान का अच्छा-खासा असर हो चुका था। कई इलाकों पर तालिबान का कब्ज़ा हो चुका था। कंधार के कुछ पहाड़ी इलाकों में सोवियत ज़माने के हथियार पड़े हुए थे, तालिबान ने उसे लूट लिया। अब तालिबान और ताकतवर हो चुका था। कंधार जीतने के बाद तालिबान देश के और प्रदेशों पर भी कब्ज़ा करने लगा। करीब दो साल बाद सितंबर 1996 में तालिबान ने काबुल भी जीत लिया। इतिहासकार इस घटना को 'फॉल ऑफ़ काबुल' की शुरुआत कहते हैं। पाकिस्तान ने तालिबान की सत्ता को दी थी मान्यता पाकिस्तान, सऊदी अरब और यूएई उन देशों में से था जिसने अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को मान्यता दी थी। पांच साल तक अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा रहा। इस दौरान तालिबान ने इस्लामी शरिया कानून लागू किया। महिलाओं और बच्चियों के साथ रेप किया। महिलाओं को सिर से पैर तक बुर्का पहनना आवश्यक कर दिया। टीवी, संगीत आदि पर बैन कर दिया। उन पुरुषों को जेल में डाल दिया जिनकी दाढ़ी छोटी थी। तालिबान पर मानवाधिकारों और सांस्कृतिक शोषण का आरोप लगा। एक कुख्यात उदाहरण 2001 का है जब तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय आक्रोश के बावजूद मध्य अफगानिस्तान में प्रसिद्ध बामियान बुद्ध की मूर्तियों को ध्वस्त कर दिया। 9/11 हमलों के बाद अमेरिका ने आतंकियों के समूल नाश की बात कही। ओसामा बिन लादेन को खोजते-खोजते अमेरिका, अफगानिस्तान पहुंचा। अमेरिका के पास रिपोर्ट्स थी कि तालिबान ने अल-कायदा के आतंकियों और लादेन को छिपा रखा था। इसके बाद अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला करना शुरू किया और तालिबान के शासन को गिरा दिया। इसके बाद तालिबान, अमेरिका का विरोध करता रहा। तालिबान को फिर से पाकिस्तान से समर्थन मिलना शुरू हुआ। तालिबान और अमेरिकी सेना के बीच लगातार हिंसक झड़प होती रही। 2020 आते-आते अमेरिका को लगा कि उसे अफगानिस्तान से जो चाहिए था, वह मिल गया। अफगानिस्तान के चक्कर में अब और नहीं पड़ना। अब अफगानिस्तान में रहने की कोई खास वजह बची नहीं। और अमेरिका, अफगानिस्तान को छोड़ने की तैयारी में लग गया।

अफगान में जारी तालिबान का खूनी खेल, अब मैग्नेटिक IED ब्लास्ट में गई एयरफोर्स पायलट की जान

अफगानिस्तान में तालिबान का आतंक और खून खराबा जारी है। अमेरिकी सेना और नाटो के देश छोड़ने के बाद से समूह ने तेजी से पांव पसारने शुरू कर दिए है। इतनी ही नहीं देश में तालिबानी कानून दोबार से लागु कर दिया गया है।

इस बीच टोलो न्यूज की जानकारी के अनुसार काबुल के चाहर असियाब जिले में शनिवार को एक मैग्नेटिक आईईडी विस्फोट में अफगान वायु सेना के एक पायलट की मौत हो गई। एक सुरक्षा सूत्र ने ये जानकारी दी है। इस विस्फोट में लगभग छह नागरिक घायल हो गए।

'रक्षा मंत्री को निशाना बनाकर हमला' इससे पहले भी अफगानिस्तान की राजधानी के पास मंगलवार को एक भीषण विस्फोट हुआ जिसमें कम से कम 10 लोग घायल हो गए। तालिबान ने बुधवार को कहा कि उसके लड़ाकों ने काबुल में अफगान रक्षा मंत्री को निशाना बनाकर हमला किया था। साथ ही शीर्ष सरकारी अधिकारियों के खिलाफ और हमले की चेतावनी भी दी। मौत के घाट उतारे गए कवि, लेखक, कॉमेडियन गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में अफगानिस्तान में तालिबान का आतंक बढ़ा है। कवि, लेखक, कॉमेडियन समेत कई लोगों को तालिबान अब तक मौत के घाट उतार चुका है।

यही नहीं भारतीय पत्रकार दानिश सिद्दीकी की भी तालिबान ने जघन्य हत्या कर दी थी। हालांकि तालिबान ने दानिश सिद्दीकी की हत्या से इनकार किया था। तेजी

से बढ़ रहा तालिबान का कब्जा अमेरिकी सेनाओं की सितंबर तक अफगानिस्तान से पूरी तरह वापसी होनी है। इसके चलते तालिबान ने एक बार फिर से सिर उठाना शुरू कर दिया है। इस साल मई के बाद से अब तक उसने अफगानिस्तान के ग्रामीण इलाकों में कब्जे करना शुरू कर दिया था। यही नहीं अब प्रांतों की राजधानियों में भी अब तालिबान ने कब्जे करना शुरू कर दिया है।

कोरोना का रहस्य-अनुमानों के उलट कैसे ब्रिटेन में घट गए संक्रमण के नए मामले?

ब्रिटेन में बीते दो हफ्तों के दौरान कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से गिरावट आई है। इससे विशेषज्ञ हैरत में हैं। आम अनुमान यह लगाया गया था कि पिछले 19 जुलाई देश में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों को हटाए जाने के बाद संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी होगी। उसके ठीक पहले देश में कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट की वजह से नए संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे थे। मगर अनिवार्य सोशल डिस्टेसिंग को खत्म करने के बाद असल में मामलों में भारी गिरावट आई है।बीती 17 जुलाई को ब्रिटेन में नए संक्रमण के 54,674 मामले सामने आए थे। जबकि दो अगस्त सिर्फ 22,287 नए मामले सामने आए। ऐसा होने का

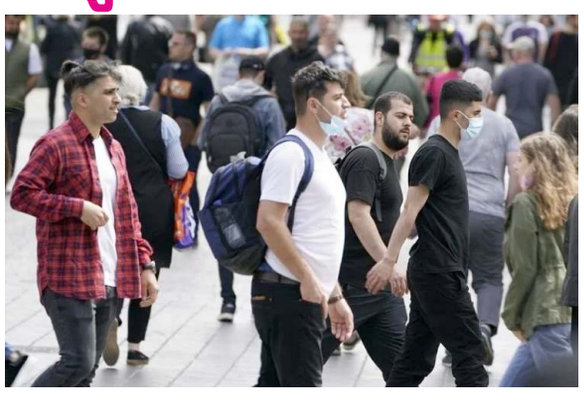

अनुमान न तो विशेषज्ञों ने लगाया था, और न ही बोरिस जॉनसन सरकार इसकी उम्मीद कर रही थी। बल्कि स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद ने तो आशंका जताई थी कि गर्मियों के मध्य तक रोजाना औसतन एक लाख नए केस सामने आ सकते हैं।ब्रिटेन की रॉयल स्टैटिस्टिकल सोसायटी के पूर्व उपाध्यक्ष केविन मैकॉन्वे ने फ्रांस के टीवी चैनल फ्रांस-24 से कहा- '20 जुलाई के बाद से जिस तरह संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट आई है, उससे हम आश्चर्यचकित हैं।' शुरुआत में विशेषज्ञों ने कहा कि मामलों में गिरावट आरटी-पीसीआर टेस्ट में कमी आने की वजह से दिख रही है। लेकिन जल्द ही ये साफ हो गया कि असल कारण यह नहीं है। लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसीन में संक्रामक रोग विशेषज्ञ थॉमस विंगफील्ड ने कहा- 'आरंभ में अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या स्थिर हो गई और फिर यह गिरने लगी। उससे इस बात की पुष्टि हुई है कि सचमुच संक्रमण के नए मामलों में भारी कमी आई है।'अब विशेषज्ञ इसकी वजहों को समझने की कोशिश में जुटे हैं। विंगफील्ड ने कहा- 'गर्म मौसम के कारण लोग घरों से बाहर-खुले स्थलों पर ज्यादा रहने लगे। घरों में भी दरवाजे और खिड़कियां खोल कर रखी जाने लगीं। इससे वेंटिलेशन सुधरा। ये बात ध्यान में रखनी चाहिए कि खुले वातावरण में कोरोना वायरस कम संक्रमित होता है।'अब विशेषज्ञ इस ओर भी इशारा कर रहे हैं कि जून-जुलाई में संक्रमण का फैलाव यूरो फुटबॉल टूर्नामेंट की वजह से हुआ। मैकॉन्वे ने कहा कि विशेषज्ञों ने पहले अनुमान लगाते वक्त इस पहलू को ध्यान में नहीं रखा था। टूर्नामेंट के कारण स्टेडिमों, पब और सड़कों पर भीड़ जुटी। उससे संक्रमण फैला। 11 जुलाई टूर्नामेंट खत्म होने के बाद ये कारण दूर हो गया। इससे कुछ दिनों के उपरांत संक्रमण में कमी आने लगी।प्रधानमंत्री जॉनसन ने जब सोशल डिस्टेंसिंग के नियम हटाए थे, तब उनकी कई हलकों से कड़ी आलोचना हुई थी। अब पूछा जा रहा है कि क्या आखिरकार जॉनसन सही साबित हुए।

क्या अमिताभ दयाल अब राजनीति में प्रवेश करने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से मुलाकात किया?

फिल्म' कगार' फेम अभिनेता अमिताभ दयाल ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से फ़िल्म इंडस्ट्री के लिए शूटिंग व अन्य सुविधा देने पर चर्चा की

मुंबई /छत्तीसगढ़: एन चंद्रा के निर्देशन में बनी फिल्म' कगार' के मुख्य नायक अमिताभ दयाल ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय पर शुक्रवार 30 जुलाई 2021 मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान अभिनेता अमिताभ दयाल ने छत्तीसगढ़ में फ़िल्म इंडस्ट्री के लिए शूटिंग, फिल्मसिटी व कलाकारों के सम्मान करने जैसे कई विषयों पर चर्चा किया। बघेल ने दयाल के इस पहल के लिए सराहना की। और बाद में सीएमओ छत्तीसगढ़ के ऑफिसियल पेज पर इस मीटिंग की ख़बर को शेयरभी किया गया। जिसके लिए अमिताभ दयाल ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात के बाद अमिताभ दयाल ने कहा,"छत्तीसगढ़ मेरी मातृभूमि है और मुंबई मेरी कर्मभूमि है। मैं चाहता हूँ कि बाकी राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में भी फिल्मवालों को सभी सुविधाएँ व सहयोग सरकार दे। जिससे यहाँ के लोगों को एक अच्छा मौका मिले और वे छत्तीसगढ़ की कला व संस्कृति को दुनिया भर में पंहुचा सके और राज्य को एक अलग पहचान दिला सके व अपनी मिटटी से जुड़े रहे।मैं अपनी जन्मभूमि के लोगों से बहुत प्यार करता हूँ, इसलिए मैं चाहता हूँ कि उनको राज्य में ही मौका मिले, जिससे उनको दर दर नहीं भटकना पड़े। वैसे बघेल जी बहुत ही सज्जन, मिलनसारव अनुभवी व्यक्ति है। इसलिए उम्मीद करता हूँ कि जल्द ही इस पर विचार करके कोई ठोस कदम उठाएंगे।" अभिताभ दयाल एन चंद्रा की फिल्म 'कगार' में हीरो थे, इसके अलावा फिल्म ' विरुद्ध' में अमिताभ बच्चन के सामने बतौर मुख्य खलनायक की भूमिका निभा चुके है। इसके अलावा दो हिंदी और दो मराठी फिल्मों का निर्माण किया है। वैसे ये बिलासपुर में पैदा हुए थे, पढाई बिलासपुर,भिलाईऔर रायपुर इत्यादि जगहों पर हुई और बाद में मुंबई आकर बस गए।आजकल अभिनेता, निर्माता व निर्देशक अमिताभ दयाल कॉर्पोरेट कंपनियो के विज्ञापन, म्यूजिक विडिओ व विज्ञापन फिल्मे बनाने व्यस्त है और लन्दन में भी प्रोडक्शन हाउस है जिसके कारण काफी समय उनका मुंबई और लंदन में ही बीतता है। कुल मिलाकर अमिताभ दयाल बहुमुखी प्रतिभाशाली हँसमुख व्यक्ति है। लेकिन लगता है कि शायद अब वे राजनीति में आने का विचार कर रहे है। जबकि उन्होंने अभी इसपर कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि हँसकर सवाल को टाल गए। अब वक्त ही बताएगा कि इस मुलाकात का क्या परिणाम निकलता है? वैसे यदि उनके इस प्रयास से छत्तीसगढ़ में फिल्म इडस्ट्री या वहां के कलाकारों के हित में डेवलपमेन्ट होता है तो वे वहाँ के लोगों के लिए एक मिशाल बन जायेंगे और उनके इस प्रयास के लिए और उनके योगदान को वहां की जनता हमेशा याद रखेगी।

शूटिंग पर दिखी रितेश की कलाकारी, जेनेलिया बोलीं, "मैंने कभी इनका ऐसा रुप नहीं देखा

टॉप 5 मनोरंजन चैनलों की रेस से लगातार बाहर चल रहे चैनल जी टीवी के नए रियलिटी शो 'जी कॉमेडी शो' को दर्शकों के बीच मशहूर करने की कोशिशें दूसरे हफ्ते भी जारी हैं। शो के पहले एपिसोड में मुंबई के चुनिंदा कॉमेडियन्स ने लोगों को खिलखिलाकर हंसाने की कोशिशें तो भरपूर कीं लेकिन शो टेलीविजन के मनोरंजन चैनलों के टॉप 10 शोज में अपनी जगह बनाने में नाकाम रहा। अब शो बनाने वालों ने अपना दांव अभिनेता रितेश देशमुख पर चला है। साथ में तुरुप की रानी बनकर उनकी पत्नी जेनेलिया देशमुख भी इस शो में खास मेहमान के तौर पर नजर आने वाली हैं।जी कॉमेडी शो' में इसे बनाने वालों ने 11 कॉमेडियन्स इकट्ठा किए हैं। अली असगर, सुगंधा मिश्रा भोसले, डॉ. संकेत भोसले, गौरव दुबे, बलराज, सिद्धार्थ सागर, दिव्यांश द्विवेदी, तेजस्वी प्रकाश, चित्राशी रावत, आदित्य नारायण और पुनीत जे. पाठक सब मिलकर जी टीवी की तरफ दर्शकों को खींचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, दर्शकों ने जब रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी' को टॉप 5 शोज में आने लायक टीआरपी नहीं दी तो 'जी कॉमेडी शो' की राह तो और मुश्किल होती दिख रही है। 'जी कॉमेडी शो' के पहले एपिसोड की सबसे कमजोर कड़ी इसकी

स्क्रिप्ट रही। दर्शकों को शो में कुछ खास नया भी देखने को नहीं मिल रहा है। दर्शकों की प्रतिक्रियाएं इस बारे में जानने पर पता चला कि 'जी कॉमेडी शो' में लाफिंग बुद्धा बनकर आईं फराह खान भी इस शो की कमजोर कड़ी हैं। फराह खान के बात करने के अंदाज को लेकर बने सोशल मीडिया पर खूब देखे गए वीडियोज ने भी उनकी ब्राडिंग को ज्यादा सपोर्ट नहीं किया है। वह कोशिश तो खूब कर रही हैं लेकिन सिनेमा में हाशिये पर पहुंच चुकीं फराह खान की अपनी कोई तगड़ी फैन फॉलोइंग न होना भी शो को नुकसान ही पहुंचा रहा है। शो के एपिसोड की शूटिंग के दौरान इसके कलाकारों के साथ तमाम मेहनती डब्बावाले बेहद खुशनुमा अंदाज में 'हंसी ऑन, स्ट्रेस गॉन' के मूड में नजर तो आए लेकिन यूं लगता रहा कि उन्हें हंसने के लिए प्रॉम्प्ट किया जा रहा है। हालांकि इस दौरान अभिनेता रितेश देशमुख ने अपनी अतरंगी एक्टिंग का जलवा दिखाते हुए सिद्धार्थ सागर के साथ दो एक्ट्स परफॉर्म किए। शूटिंग के दौरान पहले रितेश एक फूले हुए डायनासोर कॉस्ट्यूम के साथ दिखे और सिद्धार्थ सागर एक फीमेल कोरियोग्राफर का रूप लेकर रितेश रूपी डायनासोर को डांस सिखाने की कोशिश कर रहे थे। जहां इसके बाद होने वाली कॉमेडी पर ज्यादा जोर इसके लेखकों ने दिया। रितेश का अगला एक्ट पुनीत जे पाठक और बलराज के साथ हुआ। रितेश ने सिद्धार्थ के साथ स्लोप पर डांस करने की कोशिश की और 'लहू मुंह लग गया' गाने पर एक दूसरे पर गिरते-पड़ते हुए डांस किया। इस सब के दौरान अभिनेत्री जेनेलिया भी वहां मौजूद थीं। उन्होंने कहा, "मैंने खुद कभी रितेश का इतना पैशनेट रूप नहीं देखा।" उनके कमेंट पर फराह ने कहा, "जेनेलिया आपको रितेश का यह रूप देखने के लिए अपने घर में एक स्लोप लगाना पड़ेगा।

गौहर खान ने लखनऊ कैब ड्राइवर को किया सैल्यूट, पीटने वाली लड़की को बताया बदतमीज

गौहर खान एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखने से बिलकुल भी नहीं घबराती हैं और हर चीज में खुलकर अपना पक्ष रखती हैं। हाल ही में गौहर खान ने लखनऊ में हुई घटना पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होने कैब ड्राइवर मामले में कैब ड्राइवर का पक्ष रखते हुए कहा कि इस तरह की परिस्थिति होने के बावजूद भी ड्राइवर ने जिस तरह का व्यवहार रखा वो वाकई तारीफ के काबिल है। दरअसल बीते हफ्ते एक प्रियदर्शनी नामक महिला का वीडियो खूब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। ये वीडियो लखनऊ का था।कैब ड्राइवर की कि पिटाईलखनऊ में प्रियदर्शनी नामक एक महिला ने कैब ड्राइवर की खूब पिटाई की। जिसके बाद से लगातार महिला को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। इसी पर जब गौहर खान से सवाल किया गया तो उन्होने जवाब देते हुए कहा, 'उन्होने महिला के प्रति इज्जत दिखाई ये उनकी अच्छाई और उनका व्यवहार था। ये दिखाता है कि उनके संस्कार कैसे है। इस तरह के आदमी को पूरे भारत की जरूरत है"। औरत होने का उठाया फायदा गौहर खान ने कहा, 'उस महिला ने एक औरत होने का फायदा उठाया है। मतलब महिला ने बदतमीजी की हद पार कर दी है। मैं सिर्फ उस शख्स को सैल्यूट करना चाहती हूं'।पड़ोसियों से भी हुई थी बहसइससे पहले प्रियदर्शनी की एक दो साल पुरानी वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस वीडियो में वह अपने पड़ोसियों से बहस करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में प्रियदर्शनी अपने पड़ोसियों के घर की दीवार और गेट पर काला पैंट होने की वजह से गुस्सा करते और उन पर चिल्लाते हुए देखा जा सकता है। हालांकि ये वीडियो दो साल पुराना है. इस वीडियो में प्रियदर्शनी कहती हैं,"इन्हें आप बोलियों की इन दीवारों को एंटी ब्लैक कराएं, क्योंकि इनकी वजह से यहां इंटरनेशनल ड्रोन घूमते हैं और पूरी कॉलोनी की जान खतरे में है"।

लौटकर आयुष्मान उत्तर प्रदेश आए, प्रयागराज में शुरु होने जा रही इस नई फिल्म की शूटिंग

फिल्म 'अंधाधुन' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने वाले अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' और 'अनेक' की शूटिंग पूरी होने के बाद से वह अपनी अगली फिल्म 'डॉक्टर जी' की शूटिंग में लगातार व्यस्त हैं। मध्य प्रदेश में फिल्म का एक लंबा शेड्यूल पूरा करने के बाद आयुष्मान उत्तर प्रदेश लौट रहे हैं। उत्तर प्रदेश में शूट हुई उनकी पिछली फिल्म 'गुलाबो सिताबो' सीधे ओटीटी पर रिलीज होने के चलते बॉक्स ऑफिस की कसौटी पर कसे जाने से बच गई और उसके पहले वह लगातार हिट फिल्में देते रहे हैं। फिल्म 'डॉक्टर जी' का अगला शेड्यूल प्रयागराज में होना है और अपने चिर परिचित राज्य में शूटिंग को लेकर वह काफी उत्साहित भी दिख रहे हैं। आयुष्मान का प्रयागराज से गहरा भावनात्मक जुड़ाव रहा है। रियलिटी टीवी शो 'रोडीज' में हिस्सा लेने के दौरान प्रयागराज से गुजरे आयुष्मान पहली बार किसी फिल्म की शूटिंग के लिए प्रयागराज में होंगे।आयुष्मान कहते

हैं, "मैं हमेशा से अपने खूबसूरत देश के चारों दिशाओं में घूमना चाहता था और सौभाग्य से मेरे प्रोफेशन की वजह से मुझे ऐसा कर पाने का सौभाग्य मिल पा रहा है। मैं प्रयागराज में पहली बार किसी फिल्म की शूटिंग कर रहा हूं। जब मैं 'रोडीज' में हिस्सा ले रहा था तो संयोगवश मैं इस शहर से होकर गुजरा था और सीरीज के लिए शूटिंग की थी। आयुष्मान कहते हैं कि 'रोडीज' के सीजन 2 की शूटिंग के दौरान ही वह प्रयागराज की सुंदरता पर मोहित हो गए थे। वह कहते हैं, "मुझे अभी भी याद है कि किस तरह मैं इसके इतिहास, विरासत और वास्तुकला पर मंत्रमुग्ध था। गंगा, यमुना और सरस्वती के संगमस्थल की मनमोहक सुंदरता से बेहद प्रभावित था। मैं इस खूबसूरत शहर में फिर से शूटिंग करूंगा और मुझे उस पल का बेसब्री से इंतजार है।"राजकुमार यादव की तरह ही कंटेंट सिनेमा के पोस्टर ब्वॉय कहलाने वाले आयुष्मान कहते हैं, "यह मेरे लिए भावनाओं और पुरानी यादों की बाढ़ लेकर आएगा। मैं कोशिश करूंगा और अपने संघर्ष के दिनों व आत्म-विश्वास को फिर से जीने के लिए उन जगहों पर जाने के लिए कुछ समय निकालूंगा जहां मैंने 'रोडीज' की शूटिंग की थी। उस शहर में शूटिंग करना कमाल होगा जिसने मेरे करियर की शुरुआत में मेरी किस्मत को गढ़ा।

चप्पल बेचने वाले के साथ गुफ्तगू करते नजर आए सोनू सूद, डिस्काउंट मांगने पर मिला ये जवाब

'मसीहा', 'रियल लाइफ हीरो', 'धरती का भगवान' आजकल लोग अभिनेता सोनू सूद को इन नामों से भी पुकारने लगे हैं। सोनू सूद ने उस वक्त लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया जब लोग कोरोना काल में अपने घर पहुंचने के लिए भटक रहे थे, रो रहे थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। अभिनेता ने बिना किसी स्वार्थ के लोगों की मदद की और आज उन्हें पूरी दुनिया सलाम कर रही है। चाहे देश में हो या विदेश में सोनू सूद के नाम का परचम लहरा रहा है। सोनू ने अब तक ना जाने कितने लोगों को घर पहुंचाया, कितने लोगों का इलाज करवाया और सुविधाएं पहुंचाई। वहीं सोनू सूद एक पारिवारिक व्यक्ति हैं जो समाज सेवा के साथ साथ घर पर भी अपना पूरा समय देते हैं। इसके साथ ही वे फनी वीडियोज शेयर करते रहते हैं। हाल ही में सोनू का एक और फनी वीडियो सामने आया है।सोनू ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक मजेदार वीडियो शेयर की है जिसमें वो ठेले पर एक चप्पल बेचने वाले से गुफ्तगू करते नजर आ रहे हैं। सोनू का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों को काफी पसंद आ रहा है। इसके साथ ही लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिल रही हैं। सोनू ने जो वीडियो शेयर किया उसमें आप देख सकते हैं कि दोनों के बीच मजेदार बातें हो रही हैं। इस दौरान वे उससे चप्पलों का दाम पूछते हैं और डिस्काउंट के लिए पूछते हैं। सोनू सूद से मिलकर वो शख्स भी काफी खुश है।

मंदाकिनी की बोल्ड अदाओं के पीछे धुंधला गया इस हीरोइन का करियर, कभी खूबसूरती के थे चर्चे

साल 1985 में रिलीज हुई राज कूपर की फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' सुपरहिट साबित हुई थी। इस फिल्म से राज कपूर ने अपने बेटे राजीव कपूर को दोबारा लॉन्च किया था। यह मल्टी स्टारर फिल्म थी। राजीव और मंदाकिनी के अलावा इस फिल्म में कुलभूषण खरबंदा, रजा मुराद, सईद जाफरी, सुषमा सेठ जैसे कलाकार थे। इसके अलावा मंदाकिनी से साथ एक और खूबसूरत हीरोइन को फिल्म में राज कपूर ने मौका दिया था। वो हीरोइन थी दिव्या राणा। दिव्या की पहली फिल्म 'एक जान हैं हम' थी लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये औंधे मुंह गिरी। फिल्म तो खैर चली ही नहीं, राजीव कपूर और दिव्या राणा को भी लोगों ने पसंद नहीं किया। लेकिन राजीव के पिता राज कपूर ने दोनों को लेकर 'राम तेरी गंगा मैली' बनाई थी। हालांकि इस फिल्म का सारा श्रेय मंदाकिनी ले उड़ीं। पारदर्शी साड़ी में भीगते हुए बोल्ड सीन से मंदाकिनी रातों रात स्टार बन गईं और उनके आगे दिव्या राणा लोगों की नजरों में नहीं आ पाईं। 'राम तेरी गंगा मैली' जबरदस्त हिट रही लेकिन दिव्या के करियर कोई फायदा नहीं पहुंचा पाई। दिव्या जैसे तैसे आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने 'वतन के रखवाले', 'एक ही मकसद', 'आसमां' और 'मां कसम' जैसी फिल्मों में काम किया। लेकिन खूबसूरत होने के बाद भी फिल्मी दुनिया में उनका सिक्का नहीं चला। जिस सफलता और शोहरत का सपना लेकर दिव्या फिल्मों में आईं थी वो उनसे दूर ही रही। इसके बाद दिव्या राणा ने फिल्में करनी छोड़ दी। दिव्या ने एक्टिंग छोड़ने के बाद मुंबई बेस्ड बिज़नेसमैन फज़ल से शादी कर ली और आजकल वो मुंबई में ही रह रही हैं, लेकिन ताज्जुब की बात है कि शादी के बाद उन्होंने अपना नाम भी बदलकर सलमा मनेकिया रख लिया है।

शूटिंग करते हुए नुसरत भरुचा को आया अटैक, हिंदुजा अस्पताल में करवाया गया भर्ती

प्यार का पंचनामा और सोनू की टीटू की स्वीटी अभिनेत्री नुसरत भरूचा की शूटिंग के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई जिसकी वजह से उन्हें मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में भर्ती करवाया गया। दरअसल नुसरत भरूचा की तबीयत पिछले काफी समय से ठीक नहीं थी बावजूद इसके वो लगातार शूटिंग कर रही थी। इस बीच उनकी तबीयत अचानक से इतनी बिगड़ गई कि उन्हें मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा।23-24 दिन का शूटिंग शेड्यूल किया था पूराबता दें कि नुसरत भरूचा इन दिनों लव रंजन की आगामी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। उन्होने 23-24 दिन का शूटिंग शेड्यूल भी पूरा कर लिया है। हालांकि नुसरत इस बारे में अभी किसी को बताना नहीं चाहती थीं। वो चाहती थीं कि लव रंजन खुद इस फिल्म का ऐलान करें। फिलहाल अचानक से तबीयत बिगड़ने के कारण फिल्म की शूटिंग रोकनी पड़ी है। नुसरत भरूचा को आया अटैकनुसरत भरूचा ने एक मीडिया चैनल से खास बातचीत में बताया कि डॉक्टर्स का कहना है कि उन्हें वर्टिगो अटैक हुआ है, जो अक्सर तनाव के कारण होता हैं। उन्होने कहा, 'मैं फिल्म की शूटिंग के दौरान एक होटल में रुकी हुई थी। मेरा होटल फिल्म के सेट के बिलकुल करीब ही था। इसलिए मैं यहां रुकी हुई थी। ताकि मेरा घर आने-जाने का समय बच सकें। छुट्टी के बाद बिगड़ी तबीयतनुसरत भरूचा ने बताया कि लगातार काम करने के कारण उन्हें कमजोरी महसूस होने लगी थी। जिसकी वजह से उन्होने छुट्टी ली। उन्होने कहा, 'मुझे लगा था एक दिन का आराम लूंगी तो मेरी तबीयत ठीक हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और जब मैं अगले दिन सेट पर पहुंची तो मेरी तबीयत और अधिक बिगड़ गई। मुझे हिन्दुजा अस्पताल ले जाया गया। मुझे ले जाने के लिए व्हीलचेयर की जरूरत पड़ी। पिछले कुछ दिन बहुत बुरे थेनुसरत ने बताया कि उनकी तबीयत इतनी अधिक बिगड़ गई थी कि उनसे कुछ बोला ही नहीं जा रहा था। नुसरत ने कहा, 'मेरी तबीयत इतनी अधिक खराब थी कि बोलना तो दूर मैं खड़ी तक नहीं हो पा रही थी। पिछले कुछ दिन मेरे लिए बहुत खराब थे। हालांकि मुझे अस्पताल में भर्ती तो नहीं किया गया लेकिन डॉक्टर्स की सलाह पर मैं अपने घर पर दवाई ले रही हूं और आराम कर रही हूं। 15 दिन के बेड रेस्ट करने की डॉक्टर ने सलाह दी है।

प्रशंसकों ने मांगी दुआइस खबर को सुनने के बाद उनके चाहने वाले थोड़े परेशान हो गए हैं और वो अभिनेत्री के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। नुसरत भरूचा की आगामी फिल्मों की बात की जाए तो वो जल्द ही फिल्म 'छोरी', 'हुड़दंग' और 'जनहित में जारी' में नजर आएंगी।

IGBC ग्रीन प्रोफेशनल बनें और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) का हिस्सा इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (IGBC) का गठन वर्ष 2001 में किया गया था। परिषद की दृष्टि है, "सभी के लिए एक स्थायी निर्मित वातावरण को सक्षम करने और भारत को 2025 तक एक वैश्विक नेता बनने की सुविधा प्रदान करना है "।

IGBC द्वारा प्रस्तावित 'इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल एक्रेडिटेड प्रोफेशनल एग्जामिनेशन' (IGBC AP) ग्रीन भवन परियोजनाओं में विशिष्ट रेटिंग प्रणाली पर आधारित है। यह ग्रीन भवन डिजाइन और निर्माण पर एक उम्मीदवार के ज्ञान का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रारूप में 110 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। परीक्षा की अवधि 90 मिनट है। सफल होने के लिए, उम्मीदवारों को न्यूनतम 85 अंक प्राप्त करने होंगे। गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंकन नहीं है। परीक्षा में निम्नलिखित चार खंड हैं:

खंड I: ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन और निर्माण (50 प्रश्न) इस का उद्देश्य ग्रीन भवन डिजाइन और निर्माण उद्योग की उम्मीदवार की सामान्य समझ को प्रदर्शित करना हैं।

खंड II: भवन Standards और कोड: (15 प्रश्न) स्थानीय पर्यावरणीय पहलुओं पर उम्मीदवार की समझ और ज्ञान को सत्यापित करने के लिए हैं।

खंड III: IGBC और प्रक्रियाएं(15 प्रश्न) IGBC कार्यक्रमों से संबंधित प्रक्रियाओं और संसाधनों के बारे में उम्मीदवार की समझ का परीक्षण करना हैं।

खंड IV: ग्रीन डिजाइन रणनीतियाँ और प्रभाव (15 प्रश्न) ग्रीन बिल्डिंग रणनीतियों की समझ और उनके परिणामस्वरूप होने वाले प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक है

सफल उम्मीदवारों को 'आईजीबीसी मान्यता प्राप्त पेशेवर' प्रमाणपत्र से सम्मानित किया जाता है और उनके नाम आईजीबीसी की वेबसाइट पर सूचीबद्ध की जाती है। योग्य व्यक्ति IGBC रेटिंग प्रोग्राम' के तहत पंजीकृत परियोजनाओं में शामिल हो सकते हैं जैसे IGBC ग्रीन होम्स, IGBC फैक्ट्री भवन, IGBC मौजूदा भवन आदि।

वास्तुकला के कुछ स्कूलों ने इसे पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के एक भाग के रूप में शामिल किया है और इससे छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक पेशेवर बनने में लाभ हुआ है। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए आप igbc.in या tsapmumbai.in जा सकते हैं

राज कुंद्रा को बड़ा झटका, अभी जेल ही रहेगा ठिकाना

बॉम्बे HC ने खारिज की रिहाई की मांग वाली याचिका

पोर्नोग्राफी केस में जेल में बंद राज कुंद्रा को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। पोर्न फिल्म केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने बिजनेसमैन और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा और रेयान थोर्प की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें मजिस्ट्रेट अदालत के रिमांड आदेश को चुनौती दी गई थी और तत्काल रिहाई की मांग की गई थी। दरअसल, हाकोर्ट ने अश्लील फिल्मों के निर्माण और ऐप के जरिए इसके प्रदर्शन के मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाले कारोबारी राज कुंद्रा और उनके सहयोगी रेयान थोर्प याचिकाओं पर बीते सोमवार को सुनवाई पूरी कर ली थी और कहा था कि इस पर बाद में फैसला सुनाया जाएगा।

पुलिस ने हाईकोर्ट में दलील दी थी कि मुंबई अपराध शाखा द्वारा इस साल फरवरी में दर्ज मामले की जांच में कुंद्रा सहयोग नहीं कर रहे थे और उन्होंने सबूतों को नष्ट कर दिया। पुलिस के इस दावे का कुंद्रा के वकील ने खंडन किया। अदाकारा शिल्पा शेट्टी के पति कुंद्रा (45), और थोर्प ने अपनी याचिकाओं में गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए दलील दी थी कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41 ए के तहत उन्हें नोटिस जारी करने के अनिवार्य प्रावधान का पालन नहीं किया गया। दोनों ने याचिका में उच्च न्यायालय से उनकी तत्काल

रिहाई का निर्देश देने और गिरफ्तारी के बाद एक मजिस्ट्रेट द्वारा उन्हें पुलिस हिरासत में भेजने के दो आदेशों को रद्द करने का अनुरोध किया थाबता दें कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41ए के अनुसार, पुलिस उन मामलों में जहां गिरफ्तारी वारंट नहीं है, आरोपी व्यक्ति को समन जारी कर सकती है और उसका बयान दर्ज कर सकती है। राज कुंद्रा को अपराध शाखा ने 19 जुलाई को गिरफ्तार किया था जबकि उसकी में आईटी प्रमुख के रूप में कार्यरत थोर्प को 20 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। दोनों अब न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। सुनवाई में क्या हुआ था लोक अभियोजक अरुणा कामत पई ने सोमवार को न्यायमूर्ति ए एस गडकरी की एकल पीठ को बताया कि धारा 41ए के तहत नोटिस वास्तव में कुंद्रा और थोर्प दोनों को उनकी गिरफ्तारी से पहले जारी किए गए थे। कामत पई ने सवाल किया था कि अगर आरोपी सबूत नष्ट कर रहा है, तो क्या जांच एजेंसी मूकदर्शक बनी रह सकती है? उन्होंने कहा, 'कुंद्राहॉटशॉट्स ऐप (जिसके जरिए अश्लील फिल्म का प्रदर्शन हुआ) के एडमिन हैं। तलाश के दौरान पुलिस ने कुंद्रा के कार्यालय से एक लैपटॉप जब्त किया जिसमें 68 अश्लील वीडियो बरामद किए गए। इसके अलावा पूर्व में 51 वीडियो के स्टोरेज बरामद किए गए थे।' कुंद्रा के वकील आबाद पोंडा ने पुलिस के आरोपों का खंडन किया और कहा कि तलाशी के दौरान उनके फोन और लैपटॉप सहित सभी उपकरण पुलिस ने जब्त कर लिए। थोर्प के वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने दलील दी कि उनको 41ए के तहत नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उन्हें इसकी तामील करने या जवाब देने का समय नहीं दिया गया।

देशमुख मामले में राज्य सरकार को हाई कोर्ट की चेतावनी

मुंबई, पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को राज्य सरकार से सहयोग नहीं मिल रहा है। अधिकारियों को राज्य पुलिस संबंधित दस्तावेज नहीं दे रही है। इसके उलट मुंबई पुलिस के एसीपी रैंक के अधिकारी सीबीआई के जांच अधिकारी को धमका रहे हैं। यह शिकायत सोमवार को सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अनिल सिंह ने बॉम्बे हाई कोर्ट से की। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर राज्य के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश सीबीआई को दिया। न्यायमूर्ति एस.एस. शिंदे और न्यायमूर्ति एन.जे. जमादार

की पीठ ने सरकार के वकील से कहा कि इस तरह से सीबीआई के अधिकारी को धमकी देना ठीक नहीं है। गुरुवार को पीठ सीबीआई के उस आवेदन पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें हाई कोर्ट से देशमुख के खिलाफ जांच के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। ऐसी अनुचित स्थिति न हो पैदा पीठ ने कहा, 'हम सरकार को नोटिस जारी कर रहे हैं। कोई एसीपी सीबीआई अधिकारियों को डरा-धमका रहा है। पता करें कि क्या मामला है? ऐसी अनुचित स्थिति कृपया नहीं पैदा करें कि हमें पुलिस से सख्ती से काम लेना पड़े।' मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को होगी। हाई कोर्ट के आदेशों का हो पालन पीठ ने राज्य सरकार से कहा, 'वह सुनिश्चित करें कि इस अदालत के निर्देश और पहले दिए गए आदेशों का पालन हो।' सीबीआई ने अपने आवेदन में कहा कि उसने राज्य के खुफिया विभाग को एक पत्र लिखा है, जिसमें वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला द्वारा पुलिस तबादलों और तैनाती में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भेजे गए एक पत्र का विवरण मांगा गया, लेकिन खुफिया विभाग ने दस्तावेज देने से यह कहते हुए मना कर दिया कि वे एक जारी जांच का हिस्सा हैं।

पार्टी वर्कर नहीं सुनते PM Modi की बात-नवाब मलिक

महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री और एनसीपी प्रवक्ता नवाब मलिक ने आरोप लगाया है कि कोरोना के वक्त बीजेपी जानबूझकर धार्मिक स्थलों को खोलने की बात कर राजनीति कर रही है जो सही नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकार कोरोना के समय में सब कुछ देखकर ही खोल रही है। फिर मंदिर के नाम पर बीजेपी को राजनीति नहीं करनी चाहिए। खुद पीएम मोदी कह रहे हैं की भीड़ ना जुटने दी जाए। लेकिन अफसोस है कि यह बात उनकी ही पार्टी के कार्यकर्ता को नहीं समझ में आती है। वहीं मलिक ने पेगासस जासूसी मुद्दे पर भी कहा कि जब दुनिया के अन्य देशों में इस मामले में जांच चल रही है तब हिन्दुस्तान में भी जांच होनी चाहिये।

राज ठाकरे से मिले BJP नेता चंद्रकांत पाटिल, बोले- मनसे प्रमुख के मन में उत्तर भारतीयों के लिए कोई कटुता नहीं

मुंबई, मनसे प्रमुख राज ठाकरे से शुक्रवार को बीजेपी नेता और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने उनके घर कृष्णकुंज जाकर मुलाक़ात की। महाराष्ट्र की सियासत में बीजेपी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को लेकर कई तरह की अटकलें बीते कुछ महीनों से छाई हुई थीं। हालांकि अब इन अटकलों को और भी ज्यादा मजबूती मिली है।

मुलाकात के बाद चंद्रकांत पाटिल ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'मेरी राज ठाकरे से मुलाकात हुई। उन्होंने मुझे चाय पर घर बुलाया था। इस दौरान हमारी राजनीतिक बातें भी हुईं। मैंने उनसे कहा कि बीजेपी के साथ गठबंधन के लिए आपको उत्तर भारतीयों के प्रति अपना स्टैंड बदलना होगा। जिस पर उन्होंने कहा कि मेरे मन में उत्तर भारतीयों के लिए कोई द्वेष या कटुता नहीं है। मैं यूपी-बिहार में भी जाकर यही कहूंगा कि यहां के स्थानीय लोगों को नौकरी में 80 प्रतिशत वरीयता दी जाए'।

चुनाव लड़ने पर कोई चर्चा नहीं

चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि कुछ दिनों पहले मैं और राज ठाकरे संयोग से नासिक शहर में थे। वहीं पर हमारी आकस्मिक मुलाकात हुई थी। तब उन्होंने मुझे घर चाय पीने का निमंत्रण दिया था। यह वही मुलाकात है। फ़िलहाल हमारी साथ में मिलकर चुनाव लड़ने के विषय में कोई चर्चा नहीं हुई है। 'राज को बदलना होगा स्टैंड' चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि हम बीते एक साल से यह बात कह रहे हैं कि जब तक राज ठाकरे अपना स्टैंड सार्वजनिक रूप से नहीं बदलते हैं, तब तक बीजेपी-एमएनएस के साथ आने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। इसके पहले भी हो चुकी है ऐसी बातें यदि मनसे और बीजेपी एक साथ जुड़ते हैं तो निश्चित महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा बदलाव आएगा। हालांकि यह कोई पहला मामला नहीं है जब बीजेपी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक साथ आने की खबरें सुर्खियां बनी हैं। इसके पहले भी नितिन गडकरी और राज ठाकरे के बीच में वर्ली के एक होटल में मुलाकात हुई थी। तब गडकरी ने भी ऐसे ही संकेत दिए थे।

महाराष्ट्र के नासिक में डेल्टा वेरिएंट ने बढ़ायी टेंशन

मुंबई, पूरे देश में अभी भी कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर पूरी तरह से खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। हालांकि केस कम आने पर लॉकडाउन पाबंदियों में ढील दी जा रही है तो कहीं पर कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए प्रतिबंध बरकरार रखे गए हैं। महाराष्ट्र में भी कुछ स्थानों पर ढील दे दी गई है जबकि कुछ स्थानों पर प्रतिबंध पहले की तरह ही लागू हैं। महाराष्ट्र के नासिक जिले में भी कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के 30 मरीज सामने आने के बाद से खलबली मच गई है। नासिक जिला अस्पताल में सर्जन डॉ किशोर श्रीनिवास के अनुसार डेल्टा वेरिएंट के 30 नए मरीजों में 28 मरीज ग्रामीण क्षेत्र के हैं। हमने इन मरीजों के नमूनों को जीनोम अनुक्रमण के लिए पुणे भेजा जिसके बाद उनका डेल्टा संस्करण के लिए उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी। गौरतलब है कि 4 अगस्त को देश में कोविड के डेल्टा वैरिएंट के 83 मामलों की पुष्टि हुई है।

अमिताभ के बंगले और तीन रेलवे स्टेशनों पर बम रखने की धमकी भरी कॉल से दहशत, बढ़ायी गई सुरक्षा

मुंबई, मुंबई के तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों और बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन के बंगले की सुरक्षा बढ़ा दी गई है क्योंकि पुलिस को इन स्थानों पर बम रखे जाने के बारे में एक गुमनाम कॉल मिली थी। हालांकि, तलाशी के दौरान अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पुलिस अधिकारी ने बताया। कि मुंबई पुलिस के मुख्य नियंत्रण कक्ष को शुक्रवार रात फोन आया, जिसमें फोन करने वाले ने कहा कि बम छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी), भायखला, दादर रेलवे स्टेशनों और अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले पर रखे गए हैं।

उन्होंने कहा, "कॉल मिलने के बाद, सरकारी रेलवे पुलिस, रेलवे

सुरक्षा बल, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और स्थानीय पुलिस कर्मियों के साथ इन स्थानों पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया गया।" उन्होंने कहा, "इन जगहों पर अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है, लेकिन वहां भारी पुलिस तैनात कर दी गई है।" आगे की जांच भी जारी है। गौरतलब है कि बीती 22 जून को मुंबई मंत्रालय को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आरोपी की पहचान शैलेश शिंदे के नाम से हुई थी। शिंदे ने ईमेल के जरिए मुंबई मंत्रालय को बम से उड़ाने की धमकी दी थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था और कोर्ट में पेश किया गया था।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।